वर्ष : 34 ▸ अंक :30 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, सोमवार, 7 अप्रैल 2025 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

स्टार विल स्मिथ ने दिलजीत दोसांझ के साथ किया भांगड़ा

▸ पेज -7

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

आज बिहार में राहुल गांधी

▸ पेज – 8

न्यूज़ ब्रीफ

बिना आधुनिक सुविधाओं के 14 किलो का ट्यूमर निकाला

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने वो कर दिखाया जो बड़े-बड़े प्राइवेट अस्पताल नहीं कर पाए। बस्ती जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने बिना आधुनिक संसाधनों के एक महिला के पेट से 14 किलो का ट्यूमर निकालकर उसकी जान बचा ली। यह मामला न सिर्फ स्थानीय बल्कि राज्यभर के चिकित्सा जगत में चर्चा का विषय बन गया है। भवसिंहपुर गांव निवासी किरन नाम की महिला पेट दर्द से लंबे समय से परेशान थी। परिवारवालों ने इलाज के लिए दिल्ली और लखनऊ के बड़े निजी अस्पतालों के कई चक्कर लगाए और लाखों रुपये खर्च कर डाले, लेकिन सभी जगह से निराशा ही हाथ लगी। डॉक्टरों ने बताया कि पेट में बड़ा ट्यूमर है और ऑपरेशन का खर्च बहुत अधिक होगा, जो परिवार के लिए मुमकिन नहीं था। जब उम्मीदें टूट चुकी थीं, तब बस्ती जिला अस्पताल पहुंचे डॉक्टर अनिल कुमार ने महिला को मुफ्त ऑपरेशन का भरोसा दिया। अस्पताल में ना मॉडर्न ऑपरेशन थिएटर था, ना वेंटिलेटर, बावजूद इसके डॉक्टरों ने चार सदस्यीय मेडिकल टीम बनाई और ढाई घंटे चला मुश्किल ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरा किया। टीम में डॉक्टर अनिल कुमार के साथ सर्जन डॉ. राजेश पटेल, डॉ. अरशद अहमद और एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. असलम शामिल थे। ऑपरेशन पर कुल महज 10 हजार रुपये खर्च आया।

बिहार के तीन स्टार्टअप को मिला 'महारथी अवॉर्ड'

नई दिल्ली। बिहार के तीन स्टार्टअप्स — लेडी फेयर, भोजपत्ता और ईवाय डेल्टा — को केंद्र सरकार द्वारा आयोजित स्टार्टअप महाकुंभ में 'महारथी अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है। दिल्ली के भारत मंडपम में हुए इस कार्यक्रम में इन स्टार्टअप्स को उनके उल्लेखनीय नवाचार और सामाजिक योगदान के लिए चुना गया। प्रत्येक स्टार्टअप को 1-1 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी गई। सीतामढ़ी जिले के छोटे से गांव से शुरू हुआ लेडी फेयर ब्यूटी कंसेप्ट्स प्राइवेट लिमिटेड महिलाओं को घर बैठे ब्यूटी सर्विस देने और उन्हें प्रशिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाने में लगा है। इस स्टार्टअप को डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर (D2C) श्रेणी में महारथी अवॉर्ड मिला है। इसकी स्थापना ऋषि रंजन कुमार ने 2019 में की थी। आज यह कंपनी 150 से अधिक महिलाओं को रोजगार दे रही है और इसका सालाना टर्नओवर 36 करोड़ रुपये पहुंच गया है। लेडी फेयर अब देशभर में डिजिटल समावेश और महिला सशक्तीकरण की मिसाल बन चुका है। भोजपत्ता एग्रीप्रिन्योर प्राइवेट लिमिटेड ने सोलर ड्रायर और प्रिज्म तकनीक के जरिए कृषि अवशेषों का बेहतर उपयोग कर शून्य कार्बन उत्सर्जन वाली टेक्नोलॉजी विकसित की है।

तमिल में तो सिग्नेचर करो !

स्टालिन पर पीएम मोदी का तंज

एजेंसी । चेन्नई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय श्रीलंका दौरे के बाद रविवार को सीधे तमिलनाडु के रामेश्वरम पहुंचे। रामनवमी के अवसर पर उन्होंने रामनाथस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की और फिर पंबन पुल का उद्घाटन कर एक जनसभा को संबोधित किया। भाषण की शुरुआत उन्होंने तमिल में 'वणक्कम' कहकर की और विपक्ष, खासकर DMK और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन पर तीखे प्रहार किए।

तमिल में हस्ताक्षर तक नहीं करते नेता: मोदी

भाषा विवाद को लेकर मोदी ने कहा, 'मैं हैरान होता हूं कि कुछ नेता तमिल भाषा में गौरव की बात तो करते हैं, लेकिन अपनी चिट्ठियों में तमिल में हस्ताक्षर तक नहीं करते। कम से कम सिग्नेचर तो तमिल में करो।' उन्होंने तमिल में मेडिकल शिक्षा शुरू करने की भी वकालत की ताकि अंग्रेज़ी न जानने वाले गरीब छात्र-छात्राएं भी डॉक्टर बन सकें।

'तमिलनाडु में इंफ्रास्ट्रक्चर हमारी प्राथमिकता'

प्रधानमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु के विकास को लेकर केंद्र सरकार प्रतिबद्ध है। 'यहां का रेलवे बजट पहले की तुलना में सात गुना बढ़ाया गया है, फिर भी कुछ लोग हैं जिन्हें बेवजह रोने की आदत है।'

भाजपा स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं को किया नमन

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस है।'हम एक सफल, समृद्ध और विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं। इसमें भाजपा के हर कार्यकर्ता का योगदान है।' उन्होंने कहा कि जनता भाजपा सरकारों के सुशासन और राष्ट्रीय हित में लिए गए फैसलों को देखकर गर्व महसूस कर रही है।

रामनवमी पर राम का उल्लेख और तमिल साहित्य

मोदी ने कहा कि आज अयोध्या में सूर्य की किरणों ने रामलला को भव्य तिलक किया। उन्होंने कहा, 'प्रभु श्रीराम का जीवन और उनका शासन राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा है। तमिलनाडु के संगम कालीन साहित्य में भी प्रभु राम का वर्णन मिलता है।' उन्होंने रामेश्वरम से देशवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं दीं।

PM मोदी के फंड आवंटन के दावे पर चिदंबरम का पलटवार

एजेंसी । रामेश्वरम/चेन्नई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तमिलनाडु को तीन गुना ज्यादा फंड दिए जाने के दावे को कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री के बयान को आर्थिक तथ्यों की गलत व्याख्या बताते हुए तंज कसा कि "इकोनॉमिक्स के पहले साल का छात्र भी इस भ्रम को दूर कर सकता है।'

पीएम मोदी का दावा – 3 गुना बढ़ा फंड, रेलवे में 7 गुना बढ़ोतरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को रामेश्वरम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि '2014 से पहले के दशक की तुलना में एनडीए सरकार ने 2014 के बाद तमिलनाडु को तीन गुना ज्यादा धनराशि दी है।' उन्होंने यह भी बताया कि राज्य को पहले हर साल 900 करोड़ रुपये का रेलवे बजट मिलता था, जो अब बढ़कर 6000 करोड़ हो गया है। पीएम ने राज्य में 77 रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण और 8300 करोड़ की रेल-सड़क परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास की भी जानकारी दी।

चिदंबरम का कटाक्ष – 'जीडीपी बढ़ती है तो खर्च भी बढ़ता है'

कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा –'जब देश की जीडीपी बढ़ती है, तब सरकार का बजट और खर्च भी बढ़ता है। इसलिए तुलना GDP या कुल बजट के अनुपात में होनी चाहिए, न कि सिर्फ आंकड़ों की।' उन्होंने पूछा –'क्या फंड का अनुपात GDP या केंद्र के कुल खर्च के साथ भी बढ़ा है? अगर नहीं, तो तीन गुना का दावा महज भ्रम है।'

स्टालिन ने भी लगाया था फंड रोकने का आरोप

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पहले भी केंद्र पर राजनीतिक मतभेद के चलते फंड रोकने के आरोप लगा चुके हैं। डीएमके ने हाल ही में कहा था कि नई शिक्षा नीति 2020 का विरोध करने के चलते राज्य का 2000 करोड़ रुपये का फंड रोक दिया गया।

नए पंबन रेल ब्रिज का उद्घाटन

रामेश्वरम में पीएम मोदी ने एशिया के पहले वर्टिकल लिफ्ट रेलवे समुद्र पुल का उद्घाटन किया। 2.8 किलोमीटर लंबा यह पुल रामेश्वरम को मंडपम से जोड़ता है और समुद्री यातायात को बिना बाधा सुगम करता है।

दिल्ली-NCR में पारा 41 डिग्री पार, 5 राज्यों में लू का अलर्ट जारी

मौसम विभाग की चेतावनी: अप्रैल में ही मई-जून जैसी गर्मी

एजेंसी । नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली समेत पूरा उत्तर भारत इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है। अप्रैल के पहले सप्ताह में ही तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने दिल्ली-NCR के लिए 8 अप्रैल तक हीट वेव का येलो अलर्ट जारी किया है। अनुमान है कि अगले कुछ दिनों तक अधिकतम तापमान 38 से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा।

5 राज्यों में लू का कहर

मौसम विभाग ने दिल्ली के अलावा राजस्थान, गुजरात, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 5 अप्रैल तक लू चलने की चेतावनी दी है। लगातार बढ़ते तापमान के कारण दोपहर में सड़कों पर सन्नाटा देखा जा रहा है। लोग गर्मी से बचने के लिए घरों में ही रहने को मजबूर हैं।

दिल्ली में तापमान लगातार बढ़ रहा

रविवार को राजधानी दिल्ली का अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सोमवार को भी इसी स्तर पर गर्मी रहने की संभावना है। फिलहाल अगले 4-5 दिनों तक कोई राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में भी लू का अलर्ट जारी किया गया है।

यूपी और एमपी में भी झुलसाने वाली गर्मी

मौसम विभाग के वरिष्ठ अधिकारी अतुल कुमार सिंह के अनुसार, अप्रैल से जून के बीच उत्तर प्रदेश में सामान्य से अधिक तापमान दर्ज किया जाएगा। दिन के साथ-साथ रात का न्यूनतम तापमान भी सामान्य से ऊपर रहने की संभावना है। बुंदेलखंड क्षेत्र को भीषण गर्मी का हॉटस्पॉट बताया गया है। वहीं, मध्य प्रदेश के कई जिलों में भी लू के हालात बन गए हैं।

बारिश की उम्मीद पहाड़ी और पूर्वोत्तर इलाकों में

गर्मी के बीच मौसम विभाग ने 6 से 10 अप्रैल के बीच पूर्वोत्तर राज्यों और कुछ पहाड़ी इलाकों में बारिश की संभावना जताई है। इससे इन क्षेत्रों को थोड़ी राहत मिल सकती है, लेकिन उत्तर भारत के मैदानी राज्यों में फिलहाल गर्मी से राहत के आसार नहीं दिख रहे हैं।

BJP की नजर पद्मनाभ मंदिर के खजाने पर : हर्षवर्धन सपकाल

नासिक। वक्फ (संशोधन) विधेयक को लेकर जारी सियासी घमासान के बीच महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार पद्मनाभस्वामी मंदिर के खजाने पर नजर गड़ाए हुए है। उन्होंने आरोप लगाया कि वक्फ अधिनियम सिर्फ एक बहाना है, असल मंशा मंदिर में मौजूद विशाल सोने की संपत्ति पर कब्जा जमाने की है। रविवार को नासिक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक में बोलते हुए सपकाल ने कहा, 'बीजेपी सरकार वक्फ कानून का इस्तेमाल भूमि अधिग्रहण के लिए करना चाहती है। इसकी आड़ में धार्मिक स्थलों की संपत्तियों पर कब्जा करने की साजिश चल रही है।' उन्होंने बताया कि 1913 में वक्फ बोर्ड का गठन इसीलिए हुआ था कि धार्मिक स्थलों को भूमि अधिग्रहण से सुरक्षित रखा जा सके। 'मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारों को इससे विशेष अधिकार दिए गए थे।

'केजरीवाल को बचाने के लिए कुचल दिया आंदोलन' : जगजीत सिंह डल्लेवाल

131 दिन बाद भूख हड़ताल तोड़ते ही गरजे डल्लेवाल

चंडीगढ़। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने रविवार को 131 दिन बाद अपनी भूख हड़ताल समाप्त कर दी। उन्होंने फतेहगढ़ साहिब की सरहिंद अनाज मंडी में आयोजित किसान महापंचायत में पानी पीकर अनशन तोड़ा। इस दौरान उन्होंने पंजाब सरकार और मुख्यमंत्री भगवंत मान पर जमकर हमला बोला।

एमएसपी की लड़ाई खत्म नहीं हुई: डल्लेवाल

डल्लेवाल ने कहा,'एमएसपी और किसानों की अन्य मांगों को लेकर आंदोलन जारी है और यह तब तक रुकेगा नहीं जब तक समाधान नहीं होता।' उन्होंने बताया कि 26 नवंबर 2024 से वह अनशन पर थे और किसानों की भावनाओं का सम्मान करते हुए अब भूख हड़ताल समाप्त कर रहे हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने की थी अपील

शनिवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने डल्लेवाल से भूख हड़ताल समाप्त करने की अपील की थी और कहा था कि वे 4 मई को चंडीगढ़ में किसानों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद डल्लेवाल ने रविवार को महापंचायत में भूख हड़ताल खत्म करने का ऐलान किया।

AAP पर गंभीर आरोप, कहा– आंदोलन कुचलने की साजिश

डल्लेवाल ने कहा, 'पंजाब की AAP सरकार ने आंदोलन को कुचलने के लिए समझौता किया है। उन्होंने सड़कों को उद्योगपतियों की मांग बताकर बंद करवाया, लेकिन असली वजह अरविंद केजरीवाल को बचाना और लुधियाना सीट जीतना था।'उन्होंने कहा कि दिल्ली चुनाव में हार के बाद AAP बौखला गई है और अब उसे डर है कि कहीं उनके नेता जेल न चले जाएं।

उद्धव ठाकरे का बड़ा आरोप

वक्फ के बाद अब हिंदू, जैन और बौद्ध स्थलों पर नजर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बीजेपी पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया है कि वक्फ कानून लागू करने के बाद अब बीजेपी की नजर ईसाई, जैन, बौद्ध और हिंदू मंदिरों की जमीनों पर है, जिन्हें वह अपने 'मित्रों' को सौंपना चाहती है। उन्होंने यह बात बीजेपी के स्थापना दिवस पर 'शिव संचार सेना' के शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान कही।

'अब समय आ गया है सच्चाई उजागर करने का' : उद्धव ठाकरे

उद्धव ठाकरे ने कहा कि बीजेपी धार्मिक ढांचे को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रही है और अब वक्त आ गया है कि जनता के सामने सच्चाई लाई जाए। उन्होंने सलाह दी कि "बीजेपी को भगवान राम जैसा आचरण करना चाहिए, ना कि धार्मिक स्थलों की जमीनें हथियाने की कोशिश करनी चाहिए।"

'बीजेपी को किसी भी समुदाय से नहीं है प्रेम'

ठाकरे ने दावा किया कि वक्फ कानून के पीछे बीजेपी की असल मंशा अन्य धर्मों के पवित्र स्थलों की संपत्ति पर नियंत्रण हासिल करना है। उन्होंने कहा, "इन लोगों को न तो हिंदुओं से प्रेम है, न मुसलमानों से, न ही बौद्ध या ईसाइयों से। इनका एक ही मकसद है – अपने उद्योगपति मित्रों को फायदा पहुंचाना।"

क्या कोर्ट का रुख करेगी शिवसेना (यूबीटी)?

जब उद्धव ठाकरे से पूछा गया कि क्या उनकी पार्टी भी विपक्षी दलों की तरह वक्फ कानून के खिलाफ कोर्ट जाएगी, तो उन्होंने इससे इनकार कर दिया। उन्होंने केवल इतना कहा कि जनता को सतर्क होना चाहिए और आंखें खोल लेनी चाहिए।

संजय राउत का भी बीजेपी पर निशाना

शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने आरोप लगाया कि बीजेपी वक्फ की जमीनें अपने उद्योगपति मित्रों को दे देगी। उन्होंने कहा, "बीजेपी को गरीबों के हक की बात करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। पिछले विधानसभा चुनाव में उन्होंने जितना खर्च किया, उतना तो महाराष्ट्र का पूरा बजट होता है।"

वक्फ कानून को लेकर शुरू हुआ विवाद अब मंदिरों, चर्चों और अन्य धार्मिक स्थलों की जमीनों तक पहुंच गया है। उद्धव ठाकरे, संजय राउत और जितेंद्र आव्हाड जैसे नेताओं की टिप्पणियों ने राजनीतिक माहौल गर्मा दिया है, जिससे आने वाले समय में यह मुद्दा और बड़ा राजनीतिक विवाद बन सकता है।

जितेंद्र आव्हाड का दावा : अब ईसाइयों की बारी

एनसीपी (अल्पसंख्यक) नेता जितेंद्र आव्हाड ने भी इस मुद्दे पर बड़ा बयान देते हुए कहा कि अब ईसाईयों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने आरएसएस के मुखपत्र 'ऑर्गनाइजर' के एक लेख का हवाला देते हुए दावा किया कि भारत में सबसे ज्यादा जमीन कैथोलिक चर्च के पास है – लगभग 17.29 करोड़ एकड़ (7 करोड़ हेक्टेयर) उन्होंने आरोप लगाया कि ब्रिटिश राज में चर्च को बड़े पैमाने पर जमीनें दी गईं और अब उन्हीं संपत्तियों को लेकर राजनीति की जा रही है। आव्हाड ने यह भी दावा किया कि "ऑर्गनाइजर ने 1950 में भारतीय संविधान और तिरंगे का विरोध किया था।"

राष्ट्रपति ने वक्फ संशोधन विधेयक को दी मंजूरी

इस बीच, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी दे दी है। सरकार का कहना है कि यह विधेयक मुस्लिम धार्मिक संपत्तियों में सुधार लाने के लिए लाया गया है। हालांकि विपक्षी नेताओं का आरोप है कि इसके जरिए धार्मिक आजादी और संपत्ति अधिकारों में दखल किया जा रहा है।

अब मैहर में बनेगा 'शारदा लोक'

महाकाल लोक की तर्ज पर 71 करोड़ की सौगात

उज्जैन/मैहर। उज्जैन के महाकाल लोक की तर्ज पर अब मैहर में 'शारदा लोक' का निर्माण किया जाएगा। रामनवमी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 71 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का भूमि पूजन किया और मां शारदा के दर्शन कर प्रदेशवासियों की खुशहाली का आशीर्वाद मांगा। मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि मैहर में प्रस्तावित शारदा लोक परियोजना का निर्माण लगभग 775 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह धाम श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए एक भव्य धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र बनेगा। शारदा लोक के प्रथम तल का भूमि पूजन भी समारोहपूर्वक किया गया।

रामनवमी के दिन मैहर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री ने जिले को 70 करोड़ 99 लाख 84 हजार रुपये की सौगात दी।

तीन बिल्डरों ने पार्टनर से की करोड़ों की ठगी

- 4.89 करोड़ रुपए गबन का आरोप
- कोनगांव पुलिस ने दर्ज किया धोखाधड़ी का मामला

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

कोनगांव इलाके में दो बहुमंजिला इमारतों के निर्माण प्रोजेक्ट में तीन बिल्डरों ने अपने ही पार्टनर के साथ धोखाधड़ी करते हुए 4 करोड़ 89 लाख रुपये से अधिक की रकम हड़प ली। इस गंभीर मामले में कोनगांव पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत कई धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, ठाणे निवासी मनजी नारायण सांढा (55) ने शिकायत में बताया कि 2015 से 2023 के बीच कोनगांव स्थित राम मंदिर के पीछे 'श्री.जी. रियल्टी' और 'श्री.जी. डेवलपर्स' नामक प्रोजेक्ट के लिए संजय कानजी भानुशाली, जयंतीलाल गोपालजी भानुशाली और जेसा लिरा पटेल ने उनके और उनके ससुर से मिलकर जमीन खरीदी थी।

पैसे लिए, वादे नहीं निभाए

शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपियों ने निर्माण के लिए उनसे कुल 4 करोड़ 89 लाख 73 हजार 500 रुपए लिए और इसके बदले उन्हें 2 करोड़ रुपए की नकद राशि और इमारत में 8,705 वर्ग फुट का कार्पेट एरिया देने का वादा किया था। लेकिन न तो पैसा वापस किया गया और न ही वादा किया गया फ्लैट का कब्जा दिया गया।

धमकी देकर चुप कराने की कोशिश

शिकायत में यह भी बताया गया है कि जब उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे तो तीनों बिल्डरों ने उन्हें गाली-गलौज कर धमकाने की कोशिश की। विश्वासघात की इस घटना से आहत होकर सांढा ने पुलिस में लिखित शिकायत दी, जिसके बाद कोनगांव पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी), 409 (आपराधिक विश्वासघात), 406 (विश्वासघात), 506 (धमकी) और 34 (साझा आपराधिक कृत्य) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले की आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक निलेश कांडे कर रहे हैं।

टोरेंट पावर ने ज्यादा बिजली बिल के आरोपों को किया खारिज

- कंपनी बोली - टैरिफ तय करने का अधिकार नहीं, एमईसीडीसीएल की दरों पर भेजते हैं बिल

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

टोरेंट पावर ने भिवंडी और शील-मुंब्रा-कलवा क्षेत्र में उपभोक्ताओं को ज्यादा बिजली बिल भेजने के आरोपों का खंडन किया है। कंपनी का कहना है कि उसके पास बिजली के टैरिफ तय करने का कोई अधिकार नहीं है। वह केवल महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एमईसीडीसीएल) द्वारा तय की गई दरों के आधार पर ही उपभोक्ताओं को बिल भेजती है। कंपनी के मुताबिक, वह एमईसीडीसीएल की फ्रेंचाइज़ी के रूप में कार्य कर रही है और महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोग (MERC) द्वारा स्वीकृत टैरिफ के अनुसार ही बिलिंग की जाती है। भिवंडी, मुंब्रा, और कलवा के उपभोक्ताओं पर वही दरें लागू होती हैं जो पुणे, नागपुर, नासिक और ठाणे जैसे अन्य शहरों में लागू हैं।

55% उपभोक्ताओं को आता है 100 यूनिट से कम का बिल

टोरेंट पावर ने उपभोक्ताओं की बिलिंग से जुड़े आंकड़े साझा करते हुए बताया कि भिवंडी और शील-मुंब्रा-कलवा क्षेत्र में कुल 6.20 लाख घरेलू उपभोक्ता हैं। इनमें से 55 प्रतिशत को 100 यूनिट से कम का मासिक बिल आता है, जबकि 52 फीसदी उपभोक्ताओं को 1000 रुपये से कम का बिल मिलता है। लगभग 80 फीसदी उपभोक्ताओं को 2000 रुपये से कम का बिल थमाया जाता है, जिसमें 128 का फिक्स्ड चार्ज भी शामिल है।

बिलिंग में पारदर्शिता, ओवर-बिलिंग के आरोप निराधार

कंपनी ने साफ किया कि उसकी बिलिंग प्रक्रिया पूरी तरह नियामक ढांचे के अनुसार है और उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर बिजली मिल रही है। टोरेंट पावर ने यह भी कहा कि राजनीतिक समूहों द्वारा लगाए गए मनमाने टैरिफ और ओवर-बिलिंग के आरोप बेबुनियाद हैं और इनका कोई ठोस आधार नहीं है। सभी उपभोक्ताओं को राज्य की स्वीकृत नीतियों के अनुसार ही बिल भेजे जा रहे हैं। कंपनी अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वे पारदर्शिता के साथ कार्य कर रहे हैं और उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाले आरोपों से उनकी छवि को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

एलीफेंटा से गेटवे ऑफ इंडिया तक साहसिक समुद्री तैराकी

- तेज लहरों और कठिन हालातों के बीच 12 किलोमीटर की दूरी तय कर रचा कीर्तिमान

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी तालुका के ग्रामीण क्षेत्र केवणी दिवे गांव के 8 वर्षीय विहान राजकुमार जोशी ने समुद्री तैराकी में अद्भुत साहस दिखाते हुए एलीफेंटा से गेटवे ऑफ इंडिया तक की 12 किलोमीटर लंबी समुद्री यात्रा सफलतापूर्वक पूरी कर सभी को चौंका दिया। तेज हवाएं, ऊंची लहरें और कठिन समुद्री हालातों के बीच विहान ने यह यात्रा मात्र 3 घंटे, 49 मिनट और 37 सेकंड में पूरी की। सुबह 4 बजे विहान ने एलीफेंटा से अपनी तैराकी की शुरुआत की और दृढ़ निश्चय के साथ अरब सागर की विशाल लहरों को पार करते हुए गेटवे ऑफ इंडिया तक पहुंचे। पेट में पानी जाने जैसी परेशानियों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और पूरा सफर साहसिक ढंग से तय किया। भिवंडी के इस छोटे से गांव के बच्चे की यह उपलब्धि पूरे इलाके में गर्व का विषय बनी हुई है।

गेटवे पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

4 अप्रैल को जब विहान ने अपनी यात्रा पूरी की, तब ओपन वॉटर सी स्विमिंग एसोसिएशन की ओर से उनका स्वागत किया गया। मौके पर एसोसिएशन के चेयरमैन संतोष पाटिल, कोच सुनील मयेकर, विहान के पिता, परिजन और अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। सभी ने इस नन्हे तैराक के जज्बे की सराहना की। भिवंडी तालुका ही नहीं, पूरे महाराष्ट्र से विहान को बधाई संदेश मिल रहे हैं। इतनी कम उम्र में इतना बड़ा कारनामा कर विहान ने साबित कर दिया कि उम्र नहीं, जज्बा ही असली पहचान है।

कोच और पिता के मार्गदर्शन में की तैयारी

विहान वर्तमान में एरिझोना इलाईट इंग्लिश स्कूल में चौथी कक्षा का छात्र है। उन्होंने पिंपलघर में कोच देवीदास पाटिल के साथ प्रशिक्षण लेना शुरू किया था। इसके बाद उन्होंने अपने पिता और कोच के मार्गदर्शन में कशेली खाड़ी में रोजाना तैराकी का अभ्यास किया। कड़ी मेहनत और अनुशासन के साथ उन्होंने खुद को इस चुनौती के लिए तैयार किया।

75 वर्षीय सेवानिवृत्त नागरिक से शेयर निवेश के नाम पर 30 लाख की ठगी

- तीन महीने में भेजे 29.82 लाख रुपये
- रकम निकालने पर हुआ धोखाधड़ी का खुलासा

डीबीडी संवाददाता । डोंबिवली

शेयर बाजार में निवेश के नाम पर डोंबिवली पूर्व के पांडुरंगवाडी क्षेत्र में रहने वाले एक 75 वर्षीय सेवानिवृत्त व्यक्ति के साथ करीब 30 लाख रुपये की ठगी हुई है। ठगों ने त्वरित लाभ का लालच देकर तीन महीनों के भीतर उनसे 29 लाख 82 हजार रुपये हड़प लिए।

लुभावने मैसेज से शुरू हुई जालसाजी

जनवरी में पीड़ित व्यक्ति को मोबाइल पर एक मैसेज मिला, जिसमें शेयर बाजार में निवेश कर त्वरित मुनाफा कमाने का दावा किया गया था। इसके बाद एक महिला सहित तीन ठगों ने उनसे संपर्क कर निवेश से जुड़ी जानकारी दी और उनका विश्वास जीत लिया। उन्होंने पीड़ित से बैंक और निजी जानकारी हासिल कर ली।

ऑनलाइन लेन-देन से झांसा, 1.22 करोड़ का दिखाया नकली लाभ

जनवरी से मार्च के बीच, पीड़ित ने अलग-अलग चरणों में ठगों द्वारा बताए गए खातों में करीब 30 लाख रुपये जमा किए। उन्हें ऑनलाइन माध्यम से लेन-देन की जानकारी मिलती रही, जिससे उन्हें लगा कि उनका पैसा सही जगह निवेश हुआ है। मार्च के पहले सप्ताह में उन्हें बताया गया कि उनकी निवेशित रकम 1 करोड़ 22 लाख रुपये तक पहुंच चुकी है, जिससे वे और अधिक विश्वास में आ गए।

7 से 8 मोबाइल फोन और व्हाट्सएप ग्रुप का किया गया इस्तेमाल

पुलिस के अनुसार ठगों ने इस धोखाधड़ी को अंजाम देने के लिए 7 से 8 अलग-अलग मोबाइल नंबरों और एक व्हाट्सएप ग्रुप का इस्तेमाल किया। मामले की जांच सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत की जा रही है।

पुलिस की अपीलः निवेश से पहले करें पूरी जांच

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे त्वरित लाभ देने वाली स्कीमों से सावधान रहें और किसी भी तरह के ऑनलाइन निवेश से पहले पूरी जानकारी लें। पिछले एक वर्ष में डोंबिवली और कल्याण क्षेत्र में 50 से अधिक नागरिकों को करोड़ों रुपये का नुकसान हो चुका है। यह घटना एक बार फिर चेतावनी देती है कि जल्द मुनाफे के लालच में की गई लापरवाही भारी नुकसान में बदल सकती है।

रकम निकालते ही ठगों ने तोड़ा संपर्क

जब पीड़ित ने अपनी रकम निकालने की कोशिश की तो ठगों ने जवाब देना बंद कर दिया। बार-बार संपर्क करने पर उन्हें बहानेबाज़ी और टालमटोल भरे जवाब मिले। तब उन्हें समझ आया कि वे धोखाधड़ी का शिकार हो चुके हैं। उन्होंने तत्काल टिळकनगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

ठाणे सिविल अस्पताल में मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद बुजुर्ग को मिली दोबारा दृष्टि

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

बढ़ती उम्र के साथ जीवन जब अंधेरे की ओर बढ़ता है, ऐसे में ठाणे सिविल अस्पताल ने एक बुजुर्ग की जिंदगी में रौशनी लौटा दी। भिवंडी के रहने वाले 79 वर्षीय अजीज शेख, जिनकी आंखों की रोशनी लगभग चली गई थी, अब दोबारा दुनिया को देख पा रहे हैं, वो भी ठाणे सिविल अस्पताल की कुशल चिकित्सा सेवा और एक समाजसेवी की मदद से।

धुंधली दृष्टि और अकेलेपन में गुजर रहा था जीवन

अजीज शेख छोटे-मोटे काम कर गुजर-बसर कर रहे थे, लेकिन बीते कुछ वर्षों से मोतियाबिंद के कारण दृष्टि कमजोर होती चली गई। आर्थिक तंगी के चलते इलाज नहीं करा सके और ठाणे स्टेशन क्षेत्र में अकेले रह रहे थे। उसी दौरान उनकी मुलाकात सामाजिक कार्यकर्ता राघवेंद्र तिवारी से हुई, जिन्होंने उनकी स्थिति जानकर उन्हें सिविल अस्पताल में दाखिल कराया।

दोनों आंखों की सफल सर्जरी, आठ दिन में लौटी रोशनी

ठाणे सिविल अस्पताल में डॉ. कैलाश पवार, डॉ. धीरज महांगड़े और नेत्र विशेषज्ञ डॉ. शुभांगी अंबेडकर के मार्गदर्शन में अजीज की दोनों आंखों की मोतियाबिंद सर्जरी की गई। नेत्र सर्जन डॉ. संगीता माकोड़े ने ऑपरेशन को अंजाम दिया। मात्र आठ दिनों के अंतराल में दोनों आंखों की सर्जरी की गई, जिसके बाद अजीज ने दोबारा साफ देखना शुरू कर दिया।

बुजुर्ग की भावुक प्रतिक्रिया – 'अब फिर से देख सकता हूं दुनिया'

सर्जरी के बाद अजीज शेख ने कहा, "मैं बहुत निराश हो गया था क्योंकि आंखों से कुछ नहीं दिखाई देता था। कई अस्पतालों में दिखाया, पर सभी ने मना कर दिया। अब मैं फिर से देख पा रहा हूं और यह मेरे लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है।" यह मामला इस बात का उदाहरण है कि सामाजिक जिम्मेदारी और सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं मिलकर किसी की ज़िंदगी बदल सकती हैं। ठाणे सिविल अस्पताल द्वारा की गई यह सफल सर्जरी न केवल चिकित्सा उपलब्धि है, बल्कि मानवीय संवेदना की मिसाल भी है।

एनसीपी (एसपी) की पूर्व नगरसेविका भाजपा में शामिल

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

भाजपा के स्थापना दिवस और श्री रामनवमी के पावन पर्व के अवसर पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरद पवार गुट के पूर्व नगरसेविका छायाताई राव और मधुर राव, सामाजिक कार्यकर्ता योगेश भंडारी और घोड़बंदर क्षेत्र के लांड्री एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय कनोजिया कई अन्य कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा जिला अध्यक्ष संजय वाघुले की पहल पर भाजपा में शामिल हुए हैं।

सुबह भाजपा के ठाणे संभागीय कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा विधायक संजय केलकर, विधायक निरंजन डावखरे और जिला अध्यक्ष संजय वाघुले ने पार्टी में शामिल होने वाले कार्यकर्ताओं का स्वागत किया। बताया गया था कि जिला अध्यक्ष संजय वाघुले की पहल पर पिछले कुछ दिनों से सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ-साथ विभिन्न दलों के कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो रहे हैं। शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट की पूर्व पार्षद रागिनी बैरीशेट्टी भी वहां पहुंचीं। पूर्व शिवसेना पार्षद और अब राष्ट्रवादी शरद पवार गुट के सदस्य, छाया राव और मधुर राव, भाजपा में शामिल हो गए। वहीं उथलसर के सामाजिक कार्यकर्ता योगेश भंडारी ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा का झंडा थाम लिया। इसी तरह घोड़बंदर रोड क्षेत्र में लांड्री चालकों का संगठन प्रमुख विजय कनौजिया भी संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों के साथ भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा जिला अध्यक्ष संजय वाघुले ने सभी का स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रवेश से पार्टी की संगठनात्मक ताकत बढ़ेगी।

वक्फ कानून के खिलाफ भारी प्रदर्शन

- सांसद सुरेश म्हात्रे की अनुपस्थिति पर उठे सवाल
- बोले- बीमारी के चलते नहीं हो सका शामिल

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद भी विरोध की आग ठंडी नहीं हुई है। ठाणे जिले के भिवंडी में इस कानून के खिलाफ शनिवार देर रात जोरदार प्रदर्शन हुआ, जिसमें कई संगठनों ने हिस्सा लिया। इस बीच लोकसभा में बिल पर हुई वोटिंग से एनसीपी (शरद पवार गुट) के सांसद सुरेश म्हात्रे की अनुपस्थिति पर सवाल उठे। उन्होंने बीमारी को वजह बताते हुए सफाई दी है। भिवंडी लोकसभा से सांसद सुरेश म्हात्रे, जिन्हें स्थानीय लोग 'बाल्या मामा' के नाम से जानते हैं, ने कहा कि वे अचानक बीमार पड़ गए थे और सत्र से एक दिन पहले अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि उन्हें अंदाजा नहीं था कि इस दिन वक्फ बिल को पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा, "मैंने जानबूझकर सत्र नहीं छोड़ा। विधेयक अप्रत्याशित रूप से लाया गया।"

भिवंडी में बढ़ता असंतोष

भिवंडी के प्रदर्शन यह संकेत दे रहे हैं कि स्थानीय जनता में असंतोष बढ़ता जा रहा है। वहीं, सांसद की अनुपस्थिति और सफाई को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चाएं तेज हैं। अब देखना होगा कि इस विधेयक को लेकर विरोध और कानूनी लड़ाई क्या मोड़ लेती है।

जेपीसी के सदस्य होते हुए भी सदन से नदारद

गौरतलब है कि सुरेश म्हात्रे वक्फ संशोधन पर गठित संयुक्त संसदीय समिति (JPC) के सदस्य भी थे। ऐसे में उनकी अनुपस्थिति ने विरोधियों को सवाल उठाने का मौका दे दिया है, जबकि उनकी पार्टी इस विधेयक का खुलकर विरोध कर रही है। आलमी तहरीक रजा एकेडमी, अखिल भारतीय सुन्नी जमीयतुल उलमा, और अहले सुन्नत वल जमात जैसे संगठनों ने शनिवार रात को भिवंडी में बड़ा प्रदर्शन किया। लोगों ने राष्ट्रपति से समय मांगते हुए मांग की कि अधिनियम को रद्द किया जाए। प्रदर्शनकारियों ने इसे धार्मिक अधिकारों में दखल करार दिया।

13 घंटे की बहस के बाद संसद से पास हुआ विधेयक

वक्फ संशोधन विधेयक को संसद के दोनों सदनों से 13 घंटे से अधिक की बहस के बाद पारित किया गया। लोकसभा में यह बिल गुरुवार और राज्यसभा में शुक्रवार को पास हुआ, जिसके बाद शनिवार को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई। इस अधिनियम को लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी कई याचिकाएं दायर की जा चुकी हैं। ताज़ा याचिका ऑल केरल जमीयतुल उलेमा की ओर से दाखिल की गई है, जिसमें अधिनियम को संवैधानिक रूप से चुनौती दी गई है।

मैनेजर ने गोदाम से उड़ाए 35.70 लाख का माल, केस दर्ज

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी के मानकोली नाका स्थित एक गोदाम में काम करने वाले मैनेजर ने गोदाम से 35.70 लाख रुपए कीमत का माल चोरी कर बेच दिया है। जिसके खिलाफ नारपोली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार मानकोली नाका स्थित इंडियन कॉर्पोरेशन के पास प्रगति लॉजिस्टिक सव्हीस बिल्डिंग न. 112 और 119 गोदाम में मैनेजर के रूप में काम करने वाले गुंदवली गांव निवासी मिथुन जॉय बैस्या (43) ने दिसंबर 2024 से 5 मार्च 2025 के दरमियान गोदाम में रखे 35 लाख 70 हजार के विभिन्न कंपनियों के प्लास्टिक के दानों का 1320 बैग चोरी कर उसकी बिक्री कर दिया है। गोदाम में इतनी मात्रा में हो रही चोरी की जानकारी जब गोदाम मालिक नवनाथ चिमाजी अंभग को हुई तो उन्होंने इस की शिकायत शनिवार शाम नारपोली पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई है। पुलिस ने मैनेजर मिथुन जॉय बैस्या के खिलाफ बीएनएस की धारा 306 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। जिसकी जांच सहायक पुलिस निरीक्षक विजय मोरे कर रहे हैं।

मस्जिद ब्लास्ट मामले में दो आरोपियों पर लगा UAPA

ईद से पहले किया था धमाका

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बीड जिले में स्थित एक मस्जिद में 30 मार्च को हुए विस्फोट के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार दो आरोपियों पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (UAPA) और भारतीय न्याय संहिता (BNS) की सख्त धाराएं लगा दी हैं. यह धमाका ईद-उल-फित्र की पूर्व संध्या पर एक जुलूस के दौरान दो समुदायों के बीच हुई कहासुनी के बाद हुआ था. रिपोर्ट के मुताबिक इस विस्फोट में कोई हताहत नहीं हुआ था, लेकिन मस्जिद के आंतरिक हिस्से को नुकसान पहुंचा था. विस्फोट में जिलेटिन की छड़ों का इस्तेमाल किया गया था.

पुलिस ने घटना के कुछ ही घंटों के भीतर दो स्थानीय युवकों विजय राम गव्हाणे (22) और श्रीराम अशोक सगड़े (24) को गिरफ्तार किया था. शुरुआत में इन दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 298 (किसी धर्म के अपमान के इरादे से पूजा स्थल को नुकसान पहुंचाना), धारा 299 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के उद्देश्य से जानबूझकर किए गए अपमानजनक कार्य) और धारा 196 (धर्म, जाति आदि के आधार पर वैमनस्य फैलाने) के तहत मामला दर्ज किया गया था.

जांच के दौरान पुलिस को ऐसे साक्ष्य मिले, जिससे यह मामला केवल सांप्रदायिक तनाव नहीं बल्कि एक आतंकी कृत्य के रूप में सामने आया है. इसके आधार पर अब पुलिस ने BNS की धारा 113 (आतंकी कृत्य) और UAPA की धाराएं 15 (आतंकी कृत्य), 16 (आतंकी कृत्य के लिए सजा) और 18 (षड्यंत्र रचना) को भी जोड़ दिया है.

UAPA के तहत मामला दर्ज होने से आरोपियों को जमानत मिलना बेहद कठिन हो जाता है, क्योंकि यह कानून आतंकी गतिविधियों से निपटने के लिए बेहद कठोर है. फिलहाल दोनों आरोपी पुलिस हिरासत में हैं और मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च स्तर पर जांच जारी है. इस घटना ने ईद जैसे पवित्र त्योहार से ठीक पहले इलाके में शांति व्यवस्था को चुनौती दी थी, जिसे पुलिस ने समय रहते नियंत्रित कर लिया था.

संजय राउत ने भरी हुंकार

16 अप्रैल को नासिक में दिखेगी शिवसेना यूबीटी की ताकत

कहा – अब सावधान होने का समय आ गया है

नासिक। शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने नासिक स्थित शिवसेना कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि पार्टी को लेकर फैल रही अफवाहों से घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों से यह खबरें फैलाई जा रही हैं कि उद्धव ठाकरे और वे स्वयं चुनाव लड़ने जा रहे हैं, लेकिन शिवसैनिक डटे हुए हैं, संघर्ष कर रहे हैं और कष्ट सहन कर रहे हैं। राउत ने बताया कि बालासाहेब ठाकरे ने भी ऐसे ही हालातों का सामना किया था। इसलिए अब बिना किसी चर्चा के 16 अप्रैल को होने वाली विशाल रैली में शिवसेना यूबीटी अपनी ताकत दिखाएगी। इस रैली में उद्धव ठाकरे भी नासिक पहुंचकर कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे।

शिवसैनिकों को किया मार्गदर्शन, बड़े नेता रहे मौजूद

इस अवसर पर संजय राउत ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी का पुनर्निर्माण आवश्यक है। बैठक में उपनेता सुधाकर बडगुजर, सांसद राजाभाऊ वाजे, जिला प्रमुख डी.जी. सूर्यवंशी, महापौर विलास शिंदे सहित कई नेता उपस्थित थे। संजय राउत ने कहा कि विधानसभा चुनाव में नासिक जिले की सीटों पर शिवसेना और महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवारों की जीत की उम्मीद थी, लेकिन दुर्भाग्यवश कुछ कारणों से वे जीत नहीं सके। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि अब यह सोचने का समय नहीं, बल्कि सावधान होकर आगे बढ़ने का समय है।

'जय महाराष्ट्र' की गूंज एयर इंडिया में

भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए राउत ने कहा कि भाजपा गरीबों की नहीं, सिर्फ पैसे वालों की पार्टी है। उन्होंने कहा कि आज जो आंदोलन राज ठाकरे चला रहे हैं, उसकी शुरुआत बालासाहेब ने की थी। उस समय हमने चौकीदार को नहीं, बल्कि चेयरमैन को मारा था, इसलिए आज एयर इंडिया में 'जय महाराष्ट्र' की गूंज सुनाई देती है।

राजनीति में कुछ भी स्थायी नहीं, शिवसेना नासिक में रहेगी

राउत ने कहा कि राजनीति सबसे अस्थिर चीज़ है, यहां कुछ भी स्थायी नहीं होता। लेकिन शिवसेना यूबीटी नासिक में हमेशा रहेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से 16 अप्रैल की रैली को ऐतिहासिक बनाने की अपील की।

महाबोधि बुद्ध विहार पर बौद्धों का हो नियंत्रण : आनंदराज अंबेडकर

मुंबई में भव्य महामोर्चा, पुलिस ने रोका तो किया आज़ाद मैदान तक मार्च

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

रिपब्लिकन सेना के अध्यक्ष आनंदराज अंबेडकर ने मांग की है कि बोधगया स्थित महाबोधि बुद्ध विहार का नियंत्रण अब बौद्धों को सौंपा जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पवित्र स्थल, जहाँ भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी, सदियों से ब्राह्मणों के कब्जे में है, जबकि यह सम्राट अशोक द्वारा निर्मित बौद्ध धर्म का विश्वप्रसिद्ध धार्मिक केंद्र है। उन्होंने कहा कि 1950 से देश में संविधान लागू होने के बावजूद महाबोधि मंदिर प्रबंधन में बौद्धों को उनका अधिकार नहीं मिला है। बीटीएमसी अधिनियम, 1949 को अब तक रद्द नहीं किया गया है, जो बौद्ध समाज के साथ अन्याय करता है। अंबेडकर ने मांग की कि ब्राह्मण पुजारियों को तुरंत महाबोधि विहार का नियंत्रण छोड़ देना चाहिए और यह कानून निरस्त किया जाए।

मुंबई में हुआ महामोर्चा, पुलिस ने बीच रास्ते में रोका

इस मांग को लेकर बौद्ध पंचायत समिति, भारतीय बौद्ध महासभा, अखिल भारतीय बौद्ध मंच, समता सैनिक दल और अखिल भारतीय भिक्खु संघ के सहयोग से आनंदराज अंबेडकर के नेतृत्व में मुंबई में वीर जीजामाता उद्यान से आज़ाद मैदान तक महामोर्चा निकाला गया। रानीबाग के पास पुलिस ने मार्च को कुछ दूर चलने के बाद रोक लिया और प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया, जिससे इलाके में ट्रैफिक प्रभावित रहा।

आज़ाद मैदान में हुई जनसभा, वक्ताओं ने रखी बात

बाद में मोर्चा दक्षिण मुंबई के मेट्रो स्टेशन से होते हुए आज़ाद मैदान पहुँचा, जहाँ यह एक सार्वजनिक रैली में बदल गया। इस अवसर पर भारतीय बौद्ध महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भीमराव अंबेडकर, वरिष्ठ लेखक जे. वी. एस. पवार, बौद्ध पंचायत समिति के लक्ष्मण भगत और अनेक बौद्ध भिक्षुओं ने सभा को संबोधित किया और महाबोधि विहार पर बौद्धों के अधिकार की आवाज़ बुलंद की।

कुणाल कामरा का मुंबई पुलिस को पत्र

'वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए दर्ज किया जाए बयान' – विवाद के बीच किया अनुरोध

मुंबई। कॉमेडियन कुणाल कामरा ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई टिप्पणी को लेकर बढ़ते विवाद के बीच मुंबई पुलिस को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि उनका बयान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दर्ज किया जाए। कामरा के खिलाफ खार पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर की जांच चल रही है।

समन के बाद आया कामरा का जवाब

खार पुलिस ने कुणाल कामरा को तीन बार समन भेजा, जिनमें अंतिम समन 2 अप्रैल को जारी हुआ था और उन्हें 5 अप्रैल को पेश होने को कहा गया था। समन के बावजूद पेश न होने पर कामरा ने अब वीडियो कॉल के जरिए बयान दर्ज कराने का प्रस्ताव रखा है। पुलिस ने फिलहाल उनके अनुरोध पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

पांडिचेरी में मौजूद, मद्रास हाईकोर्ट से मिली राहत

कामरा इस समय पांडिचेरी में रह रहे हैं, जिसके चलते वे मुंबई में उपस्थित नहीं हो सके। 4 अप्रैल को खार पुलिस की टीम पांडिचेरी पहुंची थी ताकि मामले की आगे जांच की जा सके। इस बीच कामरा को मद्रास उच्च न्यायालय से 7 अप्रैल तक के लिए अंतरिम अग्रिम जमानत मिल गई है। यह राज्य के बाहर दर्ज एफआईआर में गिरफ्तारी से अस्थायी सुरक्षा देती है।

क्या है मामला?

24 मार्च को शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक मुरजी पटेल की शिकायत पर खार पुलिस ने कामरा के खिलाफ मामला दर्ज किया था। शिकायत के अनुसार, कुणाल कामरा ने एक कार्यक्रम में एकनाथ शिंदे को 'गद्दार' कहा था, जिसे अपमानजनक बताया गया।

'नेताओं का मज़ाक उड़ाना अपराध नहीं' – कुणाल कामरा

कुणाल कामरा ने साफ कहा है कि वे जांच में सहयोग करेंगे, लेकिन माफी नहीं मांगेंगे। उन्होंने अपने बयान में जोर देकर कहा, "किसी नेता पर मज़ाक करना कानून के खिलाफ नहीं है। अगर किसी की भावनाएं आहत होती हैं, तो इसका मतलब ये नहीं कि मेरा अभिव्यक्ति का अधिकार खत्म हो जाता है। अब यह देखना बाकी है कि खार पुलिस कामरा के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के अनुरोध को स्वीकार करती है या नहीं। वहीं, कामरा ने साफ कर दिया है कि वे पीछे हटने वाले नहीं हैं और अपनी बात खुले तौर पर रखते रहेंगे।

मालेगांव विस्फोट में सुनवाई पर फैसला देने से पहले जज का हुआ ट्रांसफर

मुंबई। महाराष्ट्र में मालेगांव विस्फोट मामले में सुनवाई कर रहे न्यायाधीश को अचानक तबादला कर दिया गया है। अब इस मामले में आगे क्या होगा ये बात सस्पेंस बनी हुई है। मालेगांव विस्फोट मामले की सुनवाई कर रहे राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की विशेष अदालत के न्यायाधीश ए के लाहोटी का नासिक तबादला कर दिया गया है। माना जा रहा है कि न्यायमूर्ति लाहोटी की अदालत मालेगांव विस्फोट मामले में फैसला सुरक्षित रखने वाली थी।

बंबई उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा लाहोटी और अन्य न्यायाधीशों के लिए जारी किया गया स्थानांतरण आदेश, ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद नौ जून को अदालतों के पुनः खुलने पर लागू होगा। आदेश में उल्लेख किया गया है कि स्थानांतरण आदेश के तहत आने वाले न्यायिक अधिकारियों को "निर्देश दिया जाता है कि वे उन सभी मामलों में निर्णय लेकर उनका निपटारा कर दें जिनकी सुनवाई पूरी हो चुकी है। साथ ही कार्यभार सौंपने से पहले उन्हें आंशिक रूप से सुने गए सभी मामलों का निपटारा करने का प्रयास करना चाहिए।"

बचाव पक्ष के एक वकील ने बताया कि शनिवार को हुई पिछली सुनवाई में न्यायमूर्ति लाहोटी ने अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष को 15 अप्रैल तक शेष दलीलें पूरी करने का निर्देश दिया था तथा उम्मीद की जा रही थी कि मामले में अगले दिन निर्णय सुरक्षित रखा जाएगा। मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर उत्तर महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्थित मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को एक मस्जिद के पास मोटरसाइकिल पर रखे विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी और 100 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

2011 में मामला एनआईए को सौंपा

भारतीय जनता पार्टी ((भाजपा) की नेता प्रज्ञा ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित और पांच अन्य इस मामले में गैरकानूनी गतिविधि निवारण अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के प्रावधानों के तहत मुकदमे का सामने कर रहे हैं। इस मामले की जांच शुरू में महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने की थी, जिसके बाद 2011 में इसे एनआईए को सौंप दिया गया।

भाजपा का संकल्प महाराष्ट्र को विकास के शिखर पर ले जाना है: सीएम

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का संकल्प महाराष्ट्र को विकास के शिखर पर ले जाना है। भाजपा उज्ज्वल पथ पर अग्रसर है, हमारी सरकार के अंतर्गत विकास का ग्राफ बढ़ रहा है, लेकिन हमें यहीं रुकने से अधिक कुछ करने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री फडणवीस रविवार को भाजपा के स्थापना दिवस पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार एक गतिशील, पारदर्शी और ईमानदार सरकार प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है, जो आम आदमी के जीवन में बदलाव लाएगी और परिवर्तन की नींव रखेगी और हम अपने कार्यकाल के पहले 100 दिनों में यह संदेश देने में सफल रहे हैं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि यह सरकार महाराष्ट्र को शिखर पर पहुंचाने तक नहीं रुकेगी, लेकिन इस गतिशील यात्रा में पार्टी कार्यकर्ताओं को जनता और सरकार के बीच समन्वय और संवाद के सेतु के रूप में काम करना होगा। हम स्थानीय निकाय चुनावों में ऐसी ही बड़ी जीत हासिल करना चाहते हैं, और सामान्य मानवी के जीवन में बदलाव लाने के लिए भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र में लगातार चुनकर आती रहेगी। इसके लिए हम अपनी नींव को मजबूत करने का संकल्प लें और आम आदमी को ध्यान में रखते हुए हम सब इस महान पार्टी को और अधिक महानता प्रदान करने के लिए अधिक से अधिक योगदान देने का संकल्प लें।

मुंबई को मिलेगा नया वित्तीय बूस्ट

बीकेसी में एनएसई को मिला नया प्लॉट

एमएमआरडीए ने दी प्लॉट C-82 की कार्योत्तर मंजूरी, 757.90 करोड़ का प्रस्ताव

दीपक पवार । मुंबई

मुंबई का बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) एक बार फिर देश के आर्थिक मानचित्र पर नई ऊँचाई की ओर बढ़ रहा है। महाराष्ट्र सरकार के निर्देशन में मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) को बीकेसी के 'जी' ब्लॉक में स्थित प्लॉट क्रमांक C-82 का आवंटन कर दिया है। यह निर्णय एमएमआरडीए की 159वीं प्राधिकरण बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री और एमएमआरडीए अध्यक्ष श्री एकनाथ शिंदे ने की।

एनएसई के विस्तार को मिलेगा बल

एनएसई ने 11 अक्टूबर 2024 को 4-5 लाख वर्गफुट के अतिरिक्त क्षेत्र की मांग की थी। एमएमआरडीए ने इस वित्तीय संस्था के महत्व को समझते हुए यह प्रस्ताव मंजूर किया। इससे पहले वर्ष 1993 में भी एमएमआरडीए ने एनएसई को C-1 प्लॉट आवंटित किया था, जिस पर आज उसका मुख्यालय स्टॉक एक्सचेंज प्लाझा स्थित है।

नवीन आवंटित प्लॉट C-82 का विवरण:

प्लॉट क्षेत्रफल: 5,500 वर्ग मीटर, अनुमन्य एफएसआई: 4.00
निर्मित क्षेत्रफल: 22,000 वर्ग मीटर, अनुमन्य ऊंचाई: 69.52 मीटर
लीज अवधि: 80 वर्ष, प्रस्तावित उपयोग: एनएसई का नया प्रशासनिक वाणिज्यिक भवन, लीज प्रीमियम: 757.90 करोड़

विकास के लिए अतिरिक्त एफएसआई की सुविधा

महाराष्ट्र सरकार की 19 जुलाई 2024 की अधिसूचना के अनुसार, एनएसई अतिरिक्त प्रीमियम चुका कर अधिक एफएसआई प्राप्त कर सकती है। यह निर्णय न केवल एनएसई की कार्यक्षमता को बढ़ाएगा, बल्कि बीकेसी को एक वैश्विक वित्तीय केंद्र के रूप में स्थापित करने में भी मददगार होगा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा 'एनएसई को बीकेसी में विस्तार की सुविधा देकर हम मुंबई को वैश्विक वित्तीय हब के रूप में और मजबूत बना रहे हैं। यह राज्य की वित्तीय और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रगति का प्रतीक है।' उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा 'बीकेसी को अंतरराष्ट्रीय स्तर का व्यावसायिक केंद्र बनाने की दिशा में यह बड़ा कदम है। एनएसई के विस्तार से न केवल आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होगी, बल्कि रोजगार और निवेश के अवसर भी बढ़ेंगे।' एमएमआरडीए आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी का वक्तव्य 'हम मुंबई को भविष्य के लिए तैयार वित्तीय और व्यावसायिक शहर के रूप में विकसित कर रहे हैं। एनएसई का विस्तार इस दिशा में एक अहम मील का पत्थर है।' यह निर्णय बीकेसी को देश का अग्रणी आर्थिक केंद्र बनाने की दिशा में एक ठोस पहल है और मुंबई के व्यावसायिक भविष्य को नई गति देगा।

'ठाकरे का अस्तित्व खत्म हो जाएगा'

संजय राउत को बताया 'मूर्ख', उद्धव पर भी कसा तंज

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

शिवसेना यूबीटी और महाविकास अघाड़ी की चुनावी स्थिति को लेकर राज्य की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। इसी कड़ी में केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता नारायण राणे के तीखे शब्दों ने नया सियासी भूचाल ला दिया है। राणे ने दावा किया कि अगले चुनाव तक उद्धव ठाकरे की पार्टी का अस्तित्व खत्म हो जाएगा, वहीं संजय राउत को 'मूर्ख' कहकर निशाना बनाया।

शिरडी में राणे का तीखा हमला

रविवार को श्रीरामनवमी के मौके पर शिरडी पहुंचे नारायण राणे ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उद्धव ठाकरे की राजनीति में विकास और समृद्धि की कोई सोच नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि ठाकरे विपक्ष को कोसने और सरकार के अच्छे कामों में अड़चन डालने का ही काम कर रहे हैं। राणे ने कहा, "मैं 39 साल से ठाकरे के साथ रहा हूं। जब बालासाहेब थे, तब पार्टी का वजूद था। लेकिन उनके जाने के बाद शिवसेना की विचारधारा और ताकत दोनों खत्म हो गई हैं। अगला चुनाव आते-आते उद्धव ठाकरे की पार्टी अस्तित्वहीन हो जाएगी।"

नारायण राणे के बयान से मचा सियासी तूफान

संजय राउत पर किया व्यंग्य

संजय राउत पर तंज कसते हुए राणे ने कहा कि वे सिर्फ अपने घर के बाहर खड़े होकर मीडिया में बयानबाजी करते हैं। "राउत को अपने योगदान का हिसाब देना चाहिए। उनका हर बयान विवादित होता है। मैं उन्हें मूर्ख मानता हूं," राणे ने तीखा हमला किया। राणे ने कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे के विवादित बयान पर भी टिप्पणी की। कोकाटे ने बेमौसम बारिश से फसल नुकसान का जायजा लेने के दौरान किसानों से कहा था कि "कर्ज लेकर खेत में कुछ नहीं लगाते, फिर कर्जमाफी की उम्मीद रखते हैं।" इस पर नारायण राणे ने कहा कि इस तरह किसानों को दोष देना अनुचित है।

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड
निविदा हेतु आमंत्रण - MRVC/G/105-R
(एक लिफाफा ई-प्रोक्योरमेंट निविदा प्रक्रिया)
मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेट लि., कॉर्पोरेट कार्यालय, दूसरी मंजिल, चर्चगेट स्टेशन भवन, मुंबई-400020 द्वारा, **"विरार-दहानू और पनवेल-कर्जत की परियोजना में ओएचई के रखरखाव के लिए आवश्यक पूर्ण टी एंड पी उपकरण के साथ ओएचई के लिए आपातकालीन ब्रेकडाउन वैन की खरीद।"** हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा के विवरण तथा निविदा दस्तावेज ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **https://www.eprocure.gov.in/eprocure/app** पर उपलब्ध हैं। वेबसाइट **https://www.eprocure.gov.in/eprocure/app** पर परिपूर्ण ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि **14.05.2025, दोपहर 12.30 बजे तक है। शुद्धिपत्र, यदि कोई है, केवल वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जायेगा।** SNP 01

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

संविधान से बड़ी छेड़छाड़ का रास्ता खुला

अपनी संख्या बल के आधार पर चाहे भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली नेशनल डेमोक्रेटिक एलांयस (एनडीए) की सरकार ने देश के वक़्फ़ कानून में अपनी मर्जी का बदलाव करने में सफलता पा ली हो, लेकिन जो संदेश इसे पारित करने के लिये, खासकर लोकसभा में हुए मतदान ने जनता को दिया है उससे सम्भवतः देश के अल्पसंख्यकों को यह जानने में मदद मिलेगी कि उनकी जगह क्या है, उनके खैरख्वाह कौन हैं और कौन अहित चाहते हैं। लोकसभा ने बुधवार को 288 के मुकाबले 232 वोटों के बहुमत से वक़्फ़ संशोधन विधेयक, 2024 को पारित कर दिया तथा गुरुवार को राज्यसभा में दिन भर से इस पर चर्चा जारी है। इस सदन में 236 सदस्य हैं। पहली बार 8 अगस्त, 2024 को जब यह विधेयक संसद में पेश हुआ था, तब उस पर हुई चर्चा, तत्पश्चात उसे संयुक्त संसदीय समिति में भेजे जाने तक कुछ दलों का रवैया आश्चर्यजनक ढंग से तथा उम्मीदों के विपरीत भाजपा के प्रति सहयोगात्मक रहा। ये वे दल हैं जो वक़्फ़ कानून पर सरकार से बात कर सकते थे। इनमें से कम से कम दो तो ऐसी पार्टियां हैं ही जो अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षक मानी जाती रही हैं और उन्हीं पर सरकार टिकी हुई है। यदि एक बार भी वे समर्थन वापसी की धमकी देते तो यह विधेयक भाजपा सरकार अलमारी में बन्द कर देती। ये दोनों दल हैं- आंध्रप्रदेश की तेलुगु देसम पार्टी और बिहार की जनता दल यूनाइटेड जिसके क्रमशः 16 और 12 सदस्य हैं। दोनों ही अल्पसंख्यक समर्थक पार्टियां कहलाती हैं लेकिन इस विधेयक को उनके मिले समर्थन ने यह भरम तोड़ दिया। इस विधेयक पर चर्चा ने सियासी समीकरणों को तथा सत्ता के लिये विचारधारा की कुर्बानियों को और भी स्पष्ट कर दिया है। इस कानून को पारित कराकर भाजपा यह बताने में कामयाब रही है कि इस लोकसभा के चुनाव में उसे चाहे कम सीटें मिली हों लेकिन जनता अब भी उसके साथ है तथा एनडीए को कोई खतरा नहीं है। जेडीयू व टीडीपी के सांसदों के अलावा राष्ट्रीय लोक दल के जयंत चौधरी, हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के जीतनराम मांझी एवं जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के चिराग पासवान से भी अल्पसंख्यकों व धर्मनिरपेक्षता में यकीन करने वालों को उम्मीद थी कि वे उनके पक्ष वाली लाइन पर चलेंगे लेकिन वे भी सरकार के साथ रहे। इनमें से कई मंत्री व सांसद तो अपने भाषणों में भाजपा ही नहीं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भी मात देते हुए नज़र आये। कोई यह न समझे कि संदेश केवल अल्पसंख्यकों से सम्बन्धित इस विधेयक तक ही सीमित है। यही हाल दलितों व ओबीसी से सम्बन्धित किसी भी फैसले के वक्त होगा- फिर चाहे वह उनके खिलाफ ही क्यों न हो। यह अवसर न केवल अल्पसंख्यकों को राजनीतिक विचारधारा तथा सियासी दलों के साथ अपनी प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार करने का है, बल्कि दलितों, अन्य पिछड़े वर्गों, अति पिछड़े वर्गों और आदिवासियों के बारे में यह कहा जा सकता है। सत्ता सुख के लिये ये पार्टियां वक़्फ़ कानून को समर्थन दे सकती हैं तो आश्चर्य नहीं होगा अगर ये दल दलितों, ओबीसी और आदिवासियों के हितों पर कुठाराघात करने वाले निर्णयों पर भी सरकार का साथ दें। इस विधेयक ने अल्पसंख्यकों, दलितों, ओबीसी तथा आदिवासियों को यह सोचने का अवसर भी दिया है कि वे देखें कि उन्होंने अपनी नुमाइंदगी किन लोगों और सियासी दलों के हाथों में सौंप रखी है। एनडीए के उन दलों को वक़्फ़ कानून पर न्यूनतम सतर्कता बरतनी चाहिये थी जिनका सामाजिक न्याय में विश्वास है, परन्तु वे यदि वक़्फ़ कानून में आये इन बदलावों के दुष्परिणामों को समझने में नाकाम हैं तो उनसे उम्मीद नहीं की जा सकती कि वे आगे किसी भी मामले में नरेन्द्र मोदी को आंखें दिखा सकेंगे। इस विधेयक के पारित होने से विपक्षी गठबन्धन की एकता की आवश्यकता पुनः प्रतिपादित हुई है। पहले कई बार सोचा जाता था कि अल्पमत वाली मोदी सरकार अल्पसंख्यकों, दलितों, ओबीसी, आदिवासियों आदि से सम्बन्धित कानूनों व प्रावधानों को छूकर अपने लिए मुसीबत मोल नहीं लेगी; लेकिन इस सफलता से वह उत्साहित होकर संविधान से बड़ी छेड़छाड़ भी कर सकती है।

अब भी संपूर्ण स्वास्थ्य की उम्मीद में दुनिया

डॉ. ए.के. अरुण

आम लोगों का स्वास्थ्य कभी भी राजनीति का मुख्य एजेंडा रहा ही नहीं, जबकि आज भारत ही नहीं पूरी दुनिया में स्वास्थ्य एक बेहद ज़रूरी विषय के रूप में खड़ा हो गया है। विश्व स्वास्थ्य दिवस 2025 का थीम या लक्ष्य की यदि हम बात करें तो इस वर्ष यह मिलेनियम स्वास्थ्य लक्ष्य को हासिल करने के उद्देश्य से 'आशापूर्ण भविष्य के लिए स्वस्थ शुरुआत' पर ज़ोर दे रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने लक्ष्य की घोषणा करते हुए कहा है कि प्रत्येक स्वास्थ्य संगठन और समुदाय यह सुनिश्चित करें कि मां और नवजात शिशु का स्वास्थ्य सुरक्षित रहे तथा इनकी असमय मृत्यु को रोका जा सके। उल्लेखनीय है कि विगत वर्ष 2024 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपना लक्ष्य 'मेरा स्वास्थ्य मेरा अधिकार' रखा था। यह अलग बात है कि दुनिया भर की सरकारों ने स्वास्थ्य के नागरिक अधिकारों पर स्पष्ट रूप से कुछ भी ठोस नहीं किया। हां, भारत में एकमात्र राज्य राजस्थान की पूर्व कांग्रेस की सरकार ने नागरिकों के स्वास्थ्य को उनके मौलिक अधिकार के रूप में क़ानून बनाकर लागू कर दिया। स्वस्थ शुरुआत आशापूर्ण भविष्य' के विभिन्न पहलुओं पर यदि ध्यान दें तो निश्चित ही नवजात शिशु एवं माताओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। इसके लिए प्रत्येक प्रखंड एवं गांवों में स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचों को और मज़बूत करना होगा तथा सामुदायिक स्वास्थ्य कर्मियों जैसे आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सेविका एवं प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सक्रिय बनाना होगा। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को और जवाबदेह बनाना होगा। सभी सरकारों को अपना स्वास्थ्य बजट सम्मानजनक तरीके से जीडीपी के अनुसार बढ़ाना होगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि समुचित पोषण और दवा के अभाव में कोई भी शिशु या गर्भवती मां अथवा व्यक्ति की असमय मृत्यु न हो। स्वास्थ्य और उपचार की सर्वसुलभता सुनिश्चित करनी होगी। सरकार और समुदाय को मिलकर काम करना होगा।

आज़ादी के सात दशक बीत जाने के बाद भी देश में जनस्वास्थ्य की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे अनेक स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं अभियानों के बाद भी हम अपेक्षित लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर सके हैं। महज़ आंकड़ों की बाजीगीरी और झूठे प्रचार से जन-स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। भारत सरकार ने एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति बनायी थी जिसके अंतर्गत विभिन्न रोगों से बचाव एवं उपचार के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रमों का संचालन लंबे समय से किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन' का संचालन भी किया जा रहा है, इन सबके बावजूद जनस्वास्थ्य को हम सही दिशा नहीं दे पा रहे हैं। इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि महिलाओं में प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं तथा नवजात शिशुओं और बच्चों की रुग्णता व मृत्यु दर को कम करने में अपेक्षित सफलता नहीं मिल पायी है।

वर्ष 2025 के स्वास्थ्य लक्ष्य की घोषणा करते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन की दृष्टि महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य पर ही गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन चाहता है कि दुनिया भर में नवजात शिशुओं और माताओं का स्वास्थ्य बेहतर हो ताकि भविष्य की आबादी में स्वस्थ लोगों की अच्छी संख्या हो। हम जानते हैं कि दुनिया भर में महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति समाज और सरकारें सदैव दोयम दर्जे की दृष्टि रखते हैं। हालांकि, पश्चिमी देशों में महिलाओं की स्थिति काफ़ी बेहतर है लेकिन भारत एवं एशियाई देशों में महिलाओं को स्वास्थ्य प्राप्त करने के लिए पुरुषों की अपेक्षा ज़्यादा जद्दोजहद करनी पड़ती है। आज़ादी के बाद से अब तक भारत में दो बार राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण हुए। इसमें केंद्र सरकार के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या अध्ययन संस्थान ने भी हिस्सा लिया। सार्वजनिक रूप से अप्रकाशित इन सर्वेक्षण रिपोर्टों के अनुसार प्रत्येक एक लाख जीवित शिशु के जन्म पर लगभग 540 माताओं की मृत्यु हो जाती है। भारत में औरतों की नाज़ुक सेहत की वजह जानने के लिए उनकी ज़िंदगी पर जन्म के बाद से ही नज़र दौड़ानी होगी। जानी मानी फ्रेंच लेखिका शिमोन द बौवार कहती हैं कि 'औरत की सेहत इसलिए ख़राब है क्योंकि वह स्त्री है।' हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि आधुनिकीकरण एवं अन्य कई कारणों से भी कई पुराने रोग पुनः नए रूप में उभर कर सामने आ रहे हैं। अनेक प्रयासों के बावजूद हम वर्षों पुराने मच्छर जनित रोग मलेरिया, डेंगू आदि से उबर नहीं पाए हैं। तथाकथित आधुनिक जीवनशैली के कई रोग जैसे डायबिटीज़ हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, कैंसर, एड्स आदि बढ़ते ही जा रहे हैं। खान-पान की गड़बड़ी की वजह से पेट के कई घातक रोग बढ़ गए हैं। मानसिक रोगों की भी यही स्थिति है। बहुत ही कम उम्र के युवा और नौजवान अवसाद और अनिद्रा, तनाव आदि के शिकार हैं। युवाओं में घातक नशे का बढ़ता प्रचलन भी स्वास्थ्य की चुनौती के रूप में खड़ा है। सरकार और समुदाय यदि इस पर ध्यान नहीं देते तो स्थिति भयावह होगी। बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि मानव स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर हमारी सरकारें क्षुद्र राजनीति से ऊपर उठ कर व्यापक जनहित में कार्य करेंगी।

जीवन मंत्र

क्रोध पर नियंत्रण रखना ही सच्ची ताक़त है

जो इंसान क्रोध के क्षण में संयम रख पाता है, वही वास्तव में आत्म-नियंत्रण का धनी होता है। क्रोध के दौरान प्रतिक्रिया देना बहुत आसान होता है, लेकिन उस समय धैर्य और समझदारी बनाए रखना बेहद कठिन होता है। यही कठिन कार्य जब कोई करता है, तो वह दूसरों से अलग हो जाता है।

क्रोध एक सामान्य मानवीय भावना है, जो तब उत्पन्न होती है जब कोई व्यक्ति अपमानित, परेशान या असहाय महसूस करता है। यह स्वाभाविक है, लेकिन जब क्रोध हमारे व्यवहार और निर्णयों पर हावी होने लगता है, तब यह विनाशकारी रूप ले सकता है। ऐसे में, क्रोध को नियंत्रित करना केवल मानसिक संतुलन बनाए रखने का उपाय नहीं है, बल्कि यह जीवन को सही दिशा में ले जाने वाली एक अद्भुत शक्ति भी है। अक्सर लोग बाहरी ताक़त को ही असली शक्ति मानते हैं—शारीरिक बल, ऊँचा पद, या आर्थिक संपन्नता। लेकिन सच्ची ताक़त वह है जो व्यक्ति को भीतर से मजबूत बनाती है। जो इंसान क्रोध के क्षण में संयम रख पाता है, वही वास्तव में आत्म-नियंत्रण का धनी होता है। क्रोध के दौरान प्रतिक्रिया देना बहुत आसान होता है, लेकिन उस समय धैर्य और समझदारी बनाए रखना बेहद कठिन होता है। यही कठिन कार्य जब कोई करता है, तो वह दूसरों से अलग हो जाता है। महात्मा गांधी, भगवान बुद्ध और स्वामी विवेकानंद जैसे महान व्यक्तियों ने भी अपने जीवन में क्रोध

पर नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी थी। गांधीजी ने कहा था,कमज़ोर कभी क्षमा नहीं कर सकते, क्षमा करना तो ताक़तवर का गुण है। क्षमा तब ही संभव है जब व्यक्ति क्रोध को जीत ले। बुद्ध ने भी ध्यान और आत्म-जागरूकता के माध्यम से क्रोध पर नियंत्रण पाने का मार्ग बताया। ये उदाहरण इस बात के प्रमाण हैं कि आंतरिक संयम ही सच्ची ताक़त है। क्रोध अक्सर क्षणिक होता है, लेकिन उसके परिणाम दीर्घकालिक हो सकते हैं। एक कठोर शब्द, एक गलत निर्णय या एक बेकाबू प्रतिक्रिया रिश्तों को तोड़ सकती है, विश्वास को चोट पहुँचा सकती है और मानसिक शांति को छीन सकती है। वहीं, जब हम अपने क्रोध को पहचानकर उसे सकारात्मक दिशा में मोड़ते हैं, तो हम न केवल अपने विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाते हैं, बल्कि हम दूसरों के दृष्टिकोण को भी समझने में सक्षम होते हैं। यह परिपक्वता और आत्म-ज्ञान का परिचायक होता है। इसलिए कहा गया है। क्रोध पर नियंत्रण रखना ही सच्ची ताक़त है।ह यह ताक़त हर किसी के पास होती है, लेकिन उसे पहचानना और विकसित करना एक साधना है। ध्यान, योग, आत्मनिरीक्षण और सकारात्मक सोच के माध्यम से हम इस ताक़त को पा सकते हैं। जब हम क्रोध के स्थान पर शांति, समझ और करुणा को चुनते हैं, तभी हम अपने जीवन को बेहतर बनाते हैं और दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनते हैं।

शख्सियत | राजा महेन्द्र प्रताप सिंह

स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत

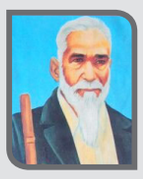

(जन्मः 7 अप्रैल 1886 – निधनः 29 अप्रैल 1979) एक महान भारतीय स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, पत्रकार और शिक्षाविद् थे। उन्होंने 1915 में अफगानिस्तान के काबुल में भारत की पहली निर्वासित अंतरिम सरकार की स्थापना की और उसके राष्ट्रपति बने। वे दुनियाभर में घूमकर भारत की आज़ादी के लिए समर्थन जुटाते रहे। आज़ादी के बाद वे सांसद भी बने, लेकिन उन्होंने हमेशा सेवा को राजनीति से ऊपर रखा। उनका जीवन त्याग, शिक्षा और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है।

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक ऐसे योद्धा थे, जिनकी देशभक्ति, अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण और समाजसेवा का योगदान भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। बचपन से ही वे साहसी, स्वतंत्र विचारों वाले और सामाजिक न्याय के प्रति संवेदनशील थे। यह सरकार अंग्रेज़ों के खिलाफ एक साहसिक और ऐतिहासिक कदम था। उनका मानना था कि बिना शिक्षा के सशक्त भारत की कल्पना अधूरी है। वे जाति, धर्म, भाषा और संप्रदाय के भेदभाव से ऊपर उठकर इंसानियत और राष्ट्रहित की बात करते थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी वे सक्रिय राजनीति में रहे। 1957 में वे उत्तर प्रदेश के मथुरा से लोकसभा के निर्दलीय सांसद चुने गए। उन्होंने कभी भी पद या सत्ता की लालसा नहीं रखी, बल्कि सादा जीवन और उच्च विचारों को अपनाया। वे महात्मा गांधी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस दोनों से प्रेरित थे, लेकिन उनकी कार्यशैली स्वतंत्र और वैश्विक दृष्टिकोण वाली थी। राजा महेन्द्र प्रताप सिंह का जीवन भारतीय इतिहास में उन गिने-चुने नेताओं में शामिल है जिन्होंने देश के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। वे न केवल एक स्वतंत्रता सेनानी थे, बल्कि एक दार्शनिक, शिक्षाविद, लेखक और दूरदर्शी नेता भी थे। भारत सरकार ने उनकी स्मृति में अलीगढ़ में राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना की, जो उनके योगदान को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का माध्यम बना है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि सच्चा देशभक्त वही होता है जो बिना किसी स्वार्थ के, समर्पण भाव से राष्ट्र के लिए कार्य करे।राजा महेन्द्र प्रताप सिंह का जीवन केवल स्वतंत्रता संग्राम तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने मानवता, विश्व बंधुत्व और वैश्विक शांति की भी पैरवी की। वे मानते थे कि भारत की आज़ादी केवल एक भू-भाग की मुक्ति नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और मानसिक गुलामी से भी मुक्ति होनी चाहिए। वे धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक समानता के प्रबल समर्थक थे। उनके विचारों में आधुनिक सोच और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का सुंदर समन्वय था। उन्होंने यह साबित किया कि संघर्ष केवल हथियारों से नहीं, विचारों और वैश्विक सहयोग से भी लड़ा जा सकता है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी वे सामाजिक और शैक्षिक कार्यों में सक्रिय रहे और जनता के बीच अपनी सादगी और ईमानदारी के लिए पहचाने जाते थे। उनका निधन 29 अप्रैल 1979 को हुआ, लेकिन उनके विचार, कार्य और आदर्श आज भी जीवित हैं। ऐसे युगद्रष्टा और आदर्शवादी नेता के रूप में राजा महेन्द्र प्रताप सिंह का योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि सच्ची देशभक्ति सीमाओं से परे होती है, जो पूरी मानवता के कल्याण की भावना से जुड़ी होती है।

जीवन ऊर्जा | पंडित रवि शंकर : जन्म- 7 अप्रैल 1920 | जन्म

संगीत आत्मा की भाषा है

पंडित रवि शंकर (जन्मः 7 अप्रैल 1920, वाराणसी - मृत्युः 11 दिसंबर 2012, कैलिफ़ोर्निया, अमेरिका) भारतीय शास्त्रीय संगीत के महान सितार वादक और संगीतकार थे। पंडित रवि शंकर को भारत रत्न सहित अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से सम्मानित किया गया। उनका संगीतमय जीवन भारतीय सांस्कृतिक धरोहर का गौरवपूर्ण प्रतीक है।

यह एक गहरा दार्शनिक और आध्यात्मिक विचार है, जो यह दर्शाता है कि संगीत शब्दों से परे जाकर हमारे भीतर की संवेदनाओं और भावनाओं को व्यक्त करता है। पंडित रवि शंकर जैसे महान संगीतकार इस विचार को जीते थे। उनके लिए संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं था, बल्कि आत्मा की उस सच्ची अभिव्यक्ति का स्वरूप था जिसे किसी भाषा, जाति, या संस्कृति की सीमाओं में नहीं बाँधा जा सकता। जैसे आत्मा सार्वभौमिक होती है, वैसे ही संगीत भी सीमाओं से परे होता है। यह वह माध्यम है जो बिना बोले भी हमारे भीतर गूंजता है, जो बिना कहे भी बहुत कुछ कह जाता है। जब कोई इंसान बोल नहीं सकता या अपनी

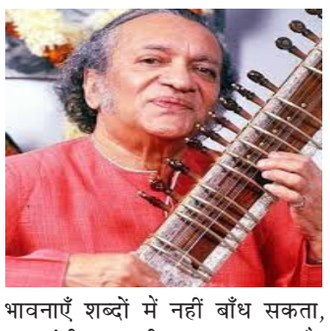

भावनाएँ शब्दों में नहीं बाँध सकता, तब संगीत उसकी आवाज़ बनता है। चाहे वह प्रसन्नता हो, पीड़ा, प्रेम, शांति या श्रद्धा हर भावना को संगीत अपनी ध्वनि में समेट सकता है। यही कारण है कि एक बच्चा माँ की लोरी से भावुक हो उठता है, एक सैनिक रणभूमि में बजते ढोल से ऊर्जा पाता है, और एक साधक राग की गहराई में ईश्वर का अनुभव करता है। संगीत वह शक्ति है जो आत्मा के स्तर पर जुड़ाव बनाता है। इसीलिए पंडित रवि शंकर कहते थे कि संगीत आत्मा की भाषा है क्योंकि यह भाषा नहीं, भाव से बोलता है; यह कानों से नहीं, हृदय से सुना और महसूस किया जाता है। संगीत मन और आत्मा के बीच की वह सेतु है, जो हमें हमारे भीतर की गहराइयों से जोड़ता है। जब हम शुद्ध संगीत सुनते हैं, तो वह हमें एक ऐसी अनुभूति देता है जो शब्दों से परे होती है जैसे आत्मा के साथ संवाद हो रहा हो। यह उद्धरण इस बात का प्रतीक है कि संगीत केवल एक कला नहीं, बल्कि आत्मिक संवाद का साधन है और इसी में इसकी सबसे बड़ी शक्ति और सुंदरता छिपी है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

स्वाभिमान किसी व्यक्ति का व्यक्तिगत पहलू है

धार्मिक मान्यता के अनुसार, लोग शुक्ल पक्ष को आशाजनक और कृष्ण पक्ष को प्रतिकूल मानते हैं। यह विचार चंद्रमा की जीवन शक्तज्योतिष शास्त्र के अनुसार शुक्ल पक्ष की दशमी से लेकर कृष्ण पक्ष की पंचम तिथि तक की अवधि ज्योतिषीय दृष्टि से शुभ मानी जाती है। इस समय के दौरान चंद्रमा की ऊर्जा अधिकतम या लगभग अधिकतम होती है। स्वाभिमान किसी व्यक्ति का व्यक्तिगत पहलू है, जबकि अहंकार किसी व्यक्ति का अन्य लोगों के प्रति ऐसा आचरण है,जिसमे स्वयं के गुणगान की तुलना में अन्य लोगों के अपमान का भाव अधिक परिलक्षित होता है, जिसमें अहंकार होता है वह अपने बल, बुद्धि, राज्य, भाषा, संस्कृति और अपनी प्रत्येक चीजो पर 'घमंड' करता है, उन्हें 'श्रेष्ठतम' समझता है और अन्यों की तुच्छ या हीन! इस कारण वह आक्रान्ता (आक्रामक) हो जाता है। वह दूसरों पर विचारों या अस्त्रशस्त्र से हमला करता रहता है, अपना वर्चस्व स्थापित करने की चेष्टा करता है। इस क्रम में वह धर्म की भी अवहेलना करता है। जिसमें स्वाभिमान होता है, वह अपने बल, बुद्धि, राज्य, भाषा, संस्कृति और अपनी प्रत्येक

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक। मो. नं. 9425980556

चीज पर "गर्व" करता है, उन्हें 'श्रेष्ठ' समझता है और अन्यों की भी इन्हीं चीजों का सम्मान करता है। वह आक्रान्ता नहीं होता, परन्तु अपने पर किये आक्रमण को सहन भी नहीं करता, समुचित प्रत्युत्तर अवश्य देता है, प्रत्येक दशा में वह धर्म (सत्य एवं न्याय) का पक्ष लेता है। तीसरे प्रकार के वो होते हैं जो बिना प्रतिरोध किये अधर्मी अहंकारी आततायी के समक्ष घुटने टेक देते हैं, या जान कर भी अनजान बने रहते हैं, वे कायर और नपुंसक होते हैं ! मनुष्यों के स्वभावों के अनुसार ही उनकी अपनी श्रद्धा होती है। मनुष्यों का स्वभाव उन्हें मिले संस्कारों के अनुसार ही होता है और मनुष्यों के स्वभावों के अनुसार ही उनकी अपनी श्रद्धा होती है।यह श्रद्धा भी सात्त्विकी और राजसी तथा तामसी ऐसे तीनों प्रकारकी होती है।यह पुरुष श्रद्धामय है, इसलिए जो पुरुष जैसी श्रद्धावाला है, वह स्वयं भी वही है। अर्थात जो पुरुष जैसी श्रद्धावाला होता है, वह अपनी श्रद्धा अनुसार उपासना अर्थात् पूजन आदि करता है।अर्थात् सात्त्विक पुरुष देवोंको पूजते हैं, राजस पुरुष यक्ष और राक्षसोंको तथा अन्य जो तामस मनुष्य हैं, वे प्रेत और भूतगणोंको पूजते हैं। श्रीमद्भागवत महापुराण में भी यही बात पञ्चम स्कन्ध के अ०-२६वें श्लोक नं०-२ में राजा परीक्षित के प्रश्नका उत्तर देते हुए श्रीशुकदेवजी भी कहते हैं-

त्रिगुणत्वात्कर्तुः श्रद्धया कर्मगतयः पृथग्विधाः सर्वा एव सर्वस्य तारतम्येन भवन्ति।।

राजन्! कर्म करनेवाले पुरुष सात्त्विक, राजस और तामस - तीन प्रकारके होते हैं तथा उनकी श्रद्धाओंमें भी भेद रहता है। इस प्रकार स्वभाव और श्रद्धाके भेदसे उनके कर्मोंकी गतियाँ भी भिन्न-भिन्न होती हैं और न्यूनाधिकरूपमें ये सभी गतियाँ सभी कर्ताओं को प्राप्त होती हैं।

सक्सेस मंत्र

अपने सपनों को कुचलने का मौका किसी को भी न दें

एक बार छोटे-छोटे मेढकों के एक समूह ने दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की। उनका लक्ष्य एक बहुत ऊंचे टावर के टॉप पर पहुंचना था। दौड़ प्रतियोगिता को देखने के लिए काफी भीड़ जुट गई। दौड़ प्रतियोगिता शुरू हुई। वास्तव में, भीड़ में मौजूद कोई भी यह विश्वास नहीं कर रहा था कि छोटे मेढक टावर के टॉप तक पहुंच पाएंगे। भीड़ में मौजूद लोग अजीबोगरीब बाते करने लगे। कोई कह रहा था कि रास्ता बहुत ही कठिन है। तो किसी ने कहा- इनमें से कोई भी टॉप पर नहीं पहुंच पाएगा। यह टावर बहुत ऊंचा है। ये सफल हो जाएं, इसकी कोई उम्मीद ही नहीं है। ऐसी बातें सुनकर छोटे-छोटे मेढक बारी-बारी से हिम्मत हारने लगे। सिर्फ वही मेढक बचे, जिनके अंदर अभी जोश और उम्मीद थी। वह तेजी से ऊपर चढ़ते जा रहे थे। भीड़ का बोलना लगातार जारी था कि बहुत कठिन है ऊपर तक पहुंचना। कितने मेढ़क थककर गिर गए हैं। यह बातें सुनकर अन्य मेढक भी हार मानने लगे। लेकिन उन्हीं में से एक मेढक लगातार ऊंचाई पर चढ़ता जा रहा था। भीड़ की बातें उस पर बेअसर थी। आखिर तक उसने हार नहीं मानी।

अंत में सारे मेढक भीड़ की बातें सुनकर हार मानकर बैठ गए, लेकिन वह मेढ़क आगे बढ़ता गया और आखिर में वह टावर के टॉप पर पहुंच गया। ऐसे में थककर बैठे बाकी नन्हें मेढक यह जानना चाह रहे थे कि इस अकेले के लिए यह कैसे संभव हुआ? एक प्रतिभागी ने उस छोटे मेढक से पूछा कि लक्ष्य तक पहुंचने की ताकत तुम्हें कहां से मिली? तब पता चला कि वह विजेता मेढक दरअसल बधिर (बहरा) था।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार)।

चाहिए चांद सा चेहरा तो ब्रश रखिए साफ

हम अपने बाल, चेहरे और कपड़ों को तो नियमित धोते हैं, पर क्या आपने कभी अपने मेकअप ब्रश पर ध्यान दिया है? आपको एक पर्फेक्ट लुक देने के लिए इन्हें कई तरह के केमिकलयुक्त प्रोडक्ट से गुजरना पड़ता है। इस दौरान चेहरे पर पसीने के साथ निकलते तेल के कारण होने वाली गंदगी की परत भी ब्रश के ब्रिसेल पर जमा हो जाती है। इससे ब्रिसेल पर कई तरह के बैक्टीरिया पनपने लगते हैं, जिससे स्किन इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में जरूरी है कि मेकअप ब्रश को हफ्ते में एक बार जरूर साफ करें, ताकि उसकी हाइजीन मेंटेन रहे। पर इसे साफ करने के भी कुछ तरीके हैं, जिस पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। नहीं तो ब्रिसेल पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए हम आपके साथ कुछ आसान स्टेप्स साझा करने जा रहे हैं, जिससे आपके ब्रश की हाइजीन और क्वालिटी दोनों मेंटेन रहेगी। मेकअप ब्रश को साफ करने के स्टेप्स

स्टेप-1 : गुनगुने पानी से धो लें

मेकअप ब्रश को धोने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। इस बात की सावधानी बरतें कि ब्रश को धोते समय केवल उसका ऊपरी सिरा ही गिला हो, न कि ज्वाइंट। ज्वाइंट पर पानी लगने से ब्रिसेल और हैंडल के बीच लगा गोंद खराब हो सकता है। इससे ब्रिसेल, हैंडल से अलग होने लगेंगे।

स्टेप-2 : शैम्पू से करें साफ

ब्रिसेल को साफ करने के लिए माइल्ड शैम्पू का इस्तेमाल करें। अगर आप शैम्पू की जगह साबुन का इस्तेमाल करने के बारे में सोच रहे हैं, तो ऐसा बिल्कुल भी न करें। इससे ब्रिसल कड़क हो जाएगा। एक कटोरी में गुनगुना पानी लेकर उसमें एक बड़ा चम्मच शैम्पू डालें। अब इसका पतला घोल बना लें।

स्टेप-3 : ब्रश को घोल में डालें

ब्रश के सिरे को इस घोल में डालें। 5 मिनट तक इसे भिगोएं रखें। इससे ब्रश में जमी हुई गंदगी आसानी से घुल जाएगी। अब ब्रश को घोल में ही घुमाए ताकि झाग बनने के साथ ब्रश की गंदगी बाहर आ जाए। आप चाहें तो हल्के हाथों से रगड़कर भी ब्रिसेल की गंदगी को साफ कर सकते हैं।

स्टेप-4 : साफ पानी से धोएं

जमी हुई गंदगी जब निकल जाए, तो ब्रश के टिप को साफ पानी से धो लें।

स्टेप-5 : प्रक्रिया को दोहराएं

पानी से धोने के बाद ब्रश पर दोबारा शैम्पू लगाएं। ब्रिसेल को हल्का रगड़कर साफ करें और फिर बहते हुए पानी में धो लें। इस प्रक्रिया को तब तक दोहराएं, जब तक ब्रश में प्रोडक्ट के अवशेष पूरी तरह न निकल जाए।

स्टेप-6 : पानी को निचोड़ें

जब ब्रश पूरी तरह से साफ हो जाए, तो इसे हल्के से निचोड़े। टिश्यू पेपर या फिर साफ कपड़े की मदद से एक्सट्रा पानी को निचोड़ें।

स्टेप-7 : ब्रश को पूरी तरह सूखा लें

पानी निचोड़ने के बाद भी ब्रश में नमी बाकी रह जाती है। पूरी तरह से ड्राई होने के लिए उन्हें कुछ घंटो या फिर रातभर एक सूखे तौलिये पर सपाट रख दें। इससे ब्रश पूरी तरह से सूख जाएंगे। अब आपका ब्रश दोबारा इस्तेमाल के लिए पूरी तरह से तैयार है।

गर्मियों में इन आउटफिट स्टाइल से रखें खुद को कूल

समर के लिए स्ट्रिप ड्रेस एक बेहतरीन विकल्प है। इसके लिए कैज्यूल स्टाइल, रिलैक्स फिट, सॉफ्ट और स्ट्रेची ड्रेस का चुनाव करें, जो पहनने में आरामदायक है। इसमें हवा भी आसानी से पास होती है, जिससे गर्मी का अहसास नहीं होता है। इसके साथ हाई हील या सैंडल, हैंडबैग और हैट को पेयर किया जा सकता है। इन दिनों यह काफी ट्रेंड में है।

समर सीजन के दस्तक के साथ फैशन को भी अपडेट करने का समय आ गया है। गर्मी के मौसम में ड्रेस का चुनाव करना थोड़ा मुश्किल होता है। गलत चुनाव न केवल लुक को बल्कि आपके मूड को भी खराब कर सकता है। इसलिए जरूरी है कि गर्मियो में ऐसे कपड़े का चुनाव करें, जो आपके लुक के साथ आपके मूड को भी बूस्ट करे। इससे आप खुद को फ्रेश भी महसूस करेंगे। तो चलिए आपको बताते हैं उन फैशन टिप्स के बारे में जो समर सीजन में है आपके लिए बेस्ट।

बेगी पैंट : 90 के दशक के बाद एक बार फिर बैगी पैंट ट्रेंड में आ गया है। गर्मी के मौसम में ये पैंट आपको कुल लुक देंगे। लूज स्टाइल का पैंट होने के कारण इसके साथ फिटिंग टॉप को कंट्रास्ट करें। आप चाहें तो शॉर्ट जैकेट के साथ क्रॉप टॉप, हॉल्टर या ट्यूब टॉप ट्राई कर सकते हैं। कमर के लिए स्टडेड बेल्ट भी ट्राई कर सकते हैं। मोनोक्रॉम लुक के साथ कॉन्ट्रास्टिंग कलर के बैग या हील आपके

स्टाइल के लिए एक अच्छा विकल्प है।

स्ट्रिप ड्रेस : समर के लिए स्ट्रिप ड्रेस एक बेहतरीन विकल्प है। इसके लिए कैज्यूल स्टाइल, रिलैक्स फिट, सॉफ्ट और स्ट्रेची ड्रेस का चुनाव करें, जो पहनने में आरामदायक है। इसमें हवा भी आसानी से पास होती है, जिससे गर्मी का अहसास नहीं होता है। इसके साथ हाई हील या सैंडल, हैंडबैग और हैट को पेयर किया जा सकता है। इन दिनों यह काफी ट्रेंड में है।

रफल ड्रेस : रफस ड्रेस भी इन दिनों काफी ट्रेंड में है। कई सेलिब्रिटीज के बीच भी इस ड्रेस का काफी चलन है। फिर चाहे वह रफल साड़ी, रफल टॉप या फिर रफल ब्लाउज ही क्यों न हो। समर में रफल ड्रेस

न केवल अट्रैक्टिव लगेगा, बल्कि इसमें आप कम्फर्टेबल भी महसूस करेंगे। इससे पहनने के बाद आपको अपने स्कूल के पुराने दिन याद आ जाएंगे। तो फिर देर किस बात की आज ही इसे अपने वार्डरोब में शामिल करें।

प्लीटेड स्कर्ट : प्लीटेड स्कर्ट बेहद कम्फर्टेबल होता है और दिखने में भी बेहद खूबसूरत होता है। इसे कम्फर्ट बनाने के लिए प्लीट्स का इस्तेमाल किया जाता है। यह आपके लुक मॉर्डन और क्लासी टच देगा। एलिगेंट डेट नाइट लुक के लिए प्लीटेड मिडी स्कर्ट के साथ फिटेड, लेस टॉप को स्टाइल करें। हील सैंडल्स को पेयर करके पाएं कम्पलीट लुक।

सीक्वेन साड़ी गर्मी के दिनों में किसी पार्टी या फंक्शन के लिए सीक्वेन साड़ी भी एक बेस्ट ऑप्शन है। अगर आप सीक्वेन वर्क वाली साड़ी का चुनाव करते हैं, तो इस बात का ध्यान रखें कि यह आपके स्किन टोन को कॉम्पलिमेंट करें। एक्सेसरीज का इस्तेमाल कम से कम करें। बोल्ड मेकअप के साथ स्लीक हेयर स्टाइल और हील सैंडल्स के साथ लुक को कम्पलीट करें। यकिन मानिए यह आपके लुक में चार चांद लगा देगा।

पुरुषों की तुलना में महिलाएं क्यों होती हैं ज्यादा एनीमिक?

इन लक्षण से करें पहचान, बिना दवा के भी दूर होगी समस्या

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, दुनिया की कुल आबादी का छठा हिस्सा एनीमिया का शिकार है। यह समस्या महिलाओं में अधिक पाई जाती है, जबकि हमारे देश में हर तीन महिला में से खून की कमी की समस्या से जूझ रही है। दरअसल, जब बॉडी सेल्स को एक्टिव रहने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत होती है तो रेड ब्लड सेल्स में मौजूद हीमोग्लोबिन ऑक्सीजन को हर अंग तक पहुंचाने का काम करता है, लेकिन, जब बॉडी में आयरन की कमी से रेड ब्लड सेल्स और हीमोग्लोबिन प्रोडक्शन प्रभावित होता है तो बॉडी और ब्रेन की काम करने की क्षमता बुरी तरह प्रभावित होने लगती है। इसे ही एनीमिया कहा जाता है।

महिलाओं में एनीमिया की बड़ी वजह

मायोक्लिनिक के मुताबिक, महिलाएं हर महीने मासिक धर्म से गुजरती हैं। जब शरीर से अधिक मात्रा में खून का रिसाव होता है तो महिलाओं में आयरन की कमी और एनीमिया का खतरा बढ़ जाता है। यही नहीं, प्रेग्नेंसी के दौरान और डिलीवरी की वजह से भी महिलाओं में खून की कमी होने लगती है। ऐसे में अगर वे हेल्दी डायट ना लें और रोज की जरूरत के हिसाब से आयरन आदि की आपूर्ति ना हो तो यह समस्या और भयानक रूप ले सकती है।

एनीमिया के लक्षण

1. खून की कमी से शरीर में आक्सीजन का स्तर कम होने लगता है।
2. शरीर में ऑक्सीजन की कमी से अधिक थकान महसूस होती है।
3. त्वचा का रंग पीला या सफेद पड़ने लगता है और आंखों के आसपास काला पड़ने लगता है।
4. शरीर में ऊर्जा की कमी होने लगती है और सांस लेने में तकलीफ महसूस होती है।
5. दिल की धड़कन तेज रहती है और ब्लड प्रेशर लो रहता है।
6. मूड स्विंग्स होता है और डिप्रेशन महसूस होता है।
7. भूख की कमी भी रहती है और बार बार चक्कर आता है।
8. हाथ पैर ठंडा रहता है और सिर दर्द, सिर हल्का लगना जैसा महसूस होता है।
9. नाखून टूटने लगते हैं और स्किन की पपड़ी निकलती रहती है।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष आज रुका धन मिलेगा। मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। जल्दबाजी में धनहानि हो सकती है।

वृष स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक-ठीक चलेगा।

मिथुन पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कर्क घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। दुःखद समाचार मिलने से नकारात्मकता बढ़ेगी। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी।

सिंह प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। अपना प्रभाव बढ़ा पाएंगे

कन्या दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर स्थिति मनोनुकूल रहेगी।

तुला तुला उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। थकान महसूस होगी।

धनु अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। धनार्जन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर

मकर नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

कुंभ रुका धन मिलेगा। पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। मातहतों का सहयोग मिलेगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

मीन क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। छोटी सी गलती से समस्या बढ़ सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

भाग्य जगाने व मनोकामना पूर्ति के उपाय

प्रियंका जैन
9769994439

सामान्य रूप से भगवान शिव का अभिषेक जल या गंगाजल से होता है, लेकिन विशेष मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए अलग-अलग चीजों और फूलों से शिव पूजन का अलग-अलग महत्व बताया गया है। आइए जानते हैं शास्त्र में बताएं उपाय अनुसार भगवान शिव के किस अभिषेक से क्या लाभ होता है।

1. 11 बिल्वपत्रों पर चंदन से ॐ नमः शिवाय या श्रीराम लिखें। इसके बाद इन पत्तों की माला बनाकर शिवलिंग पर चढ़ाएं।
2. अभिषेक करने से कांस्य के शिवलिंग पर, यश (प्रसिद्धि) की प्राप्ति होती है।
3.अभिषेक करने से गुड़ के शिवलिंग पर, अन्न की प्राप्ति होती है।
4.अभिषेक करने से चांदी से बने शिवलिंग पर, पितरों की मुक्ति होती है।
5.अभिषेक करने से ताम्बे के शिवलिंग पर, लम्बी आयु की प्राप्ति होती है।
6.अभिषेक करने से नीलम के शिवलिंग पर, सम्मान की प्राप्ति होती है।
7.अभिषेक करने से पीतल से बने शिवलिंग पर, सुखों की प्राप्ति होती है।
8. अभिषेक करने से पुखराज के शिवलिंग पर, धन-लक्ष्मी की प्राप्ति होती है।
9.अभिषेक करने से बांस के शिवलिंग पर, वंश में वृद्धि होती है।
10.अभिषेक करने से मोती के शिवलिंग पर, रोगों का नाश होता है।11.अभिषेक करने से लोहे के शिवलिंग पर, शत्रुओं का नाश होता है।12.अभिषेक करने से सोने के शिवलिंग पर, सत्यलोक (स्वर्ग) की प्राप्ति होती है।
13.अभिषेक करने से स्फटिक के शिवलिंग पर, मनुष्य की सारी कामनाएं पूरी हो जाती हैं।14. अभिषेक करने से हीरे के शिवलिंग पर, दीर्घायु की प्राप्ति होती है।
15.अभिषेक करने से, आटे से बने शिवलिंग पर , रोगों से मुक्ति मिलती है।
16.अभिषेक करने से, उड़द के आटे से बने शिवलिंग पर, सुंदर पत्नी की प्राप्ति होती है।
17.अभिषेक करने से, मक्खन से बने शिवलिंग पर, सभी सुख प्राप्त होते है।
18.उपाय-अगर आपके घर में किसी भी प्रकार की परेशानी हो तो सावन में रोज सुबह घर में गोमूत्र का छिड़काव करें तथा गुग्गुल का धूप दें।
19.उपाय- यदि आपके विवाह में अड़चन आ रही है तो सावन में रोज शिवलिंग पर केसर मिला हुआ दूध चढ़ाएं। इससे जल्दी ही आपके विवाह के योग बन सकते हैं।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
उत्तर भारत / बिजनेस

बांके बिहारी मंदिर में करोड़ों की श्रद्धा के बीच छल-

मथुरा। वृंदावन के विश्व प्रसिद्ध ठाकुर श्री बांके बिहारी मंदिर में शनिवार को एक चौंकाने वाला मामला सामने आया। मंदिर की गुल्लक से श्रद्धालुओं की भेंट राशि चुराते एक बैंककर्मी को रंगे हाथ पकड़ लिया गया। आरोपी बैंककर्मी के पास से तत्काल 1।28 लाख रुपये बरामद हुए, जबकि बाद में उसके घर से भी 8 लाख नकद बरामद किए गए। शनिवार शाम करीब चार बजे कंट्रोल रूम में मौजूद कर्मियों को मंदिर परिसर में मौजूद एक बैंककर्मी की हरकतें संदिग्ध लगीं। उसने अपने कपड़ों में कुछ छिपाने की कोशिश की थी, जिसे देख कर्मचारियों ने तुरंत मंदिर प्रबंधन को सूचना दी। प्रबंधक मुनीश शर्मा ने सीसीटीवी फुटेज चेक किया तो बैंककर्मी की चोरी करते हुए गतिविधियां साफ नजर आईं। जब आरोपी की तलाशी ली गई, तो उसके पास से 1।28 लाख रुपये बरामद हो गए। पुलिस ने आरोपी से सख्ती से पूछताछ की तो उसने यह स्वीकार किया कि यह उसकी पहली चोरी नहीं थी। उसने पिछले दिनों में भी इसी तरह गुल्लक से रकम उड़ाई थी। इसके बाद पुलिस ने उसके किराए के घर पर छापेमारी कर 8 लाख रुपये और बरामद किए। मंदिर प्रबंधन के अनुसार आरोपी का नाम अभिनव सक्सेना है, जो रामपुर केनरा बैंक में फील्ड ऑफिसर के पद पर तैनात है। उसकी पत्नी चार्टर्ड अकाउंटेंट है और वे मथुरा के अशोक सिटी में किराए पर रहते हैं। मंदिर प्रबंधन ने मुनीश शर्मा की ओर से थाना कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। बांके बिहारी मंदिर की 16 भेंट गुल्लकें हर महीने न्यायालय द्वारा नियुक्त अधिकारी की निगरानी में खोली जाती हैं। गुल्लकों को खोलने और राशि गिनने की यह प्रक्रिया तीन दिनों से चल रही थी। इसी दौरान आरोपी ने चोरी की वारदात को अंजाम देने की कोशिश की, लेकिन सतर्कता के चलते वह पकड़ा गया। पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की जांच कर रही है। मंदिर प्रबंधन ने सुरक्षा और व्यवस्था को और सख्त करने की बात कही है।

कार की टक्कर से दो महिलाओं की मौत

लखनऊ। लखनऊ-बांगरमऊ मार्ग पर उन्नाव जनपद के अंतर्गत आसीवन थाना क्षेत्र में सड़क पार कर रही दो महिलाओं यास्मीन (35) और खैरुन (45) को ओमनी कार ने टक्कर मार दी। यास्मीन की मियागंज अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में ही मौत हो गई। वहीं खैरुन को गंभीर हालत में मियागंज अस्पताल से जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां पहुंचने पर उसने भी दम तोड़ दिया। आसीवन थाना के प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिंह ने बताया कि घटना की जांच आरम्भ की गयी है। कार सहित सवार मौके से फरार है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृत दोनों महिलाओं में यास्मीन उन्नाव के कासिम नगर की निवासी थी तो खैरून मुशीराबाद की रहने वाली थी। दोनों महिलाओं के परिजन को सूचना दे दी गयी है।

'राष्ट्र प्रथम' के संकल्प के साथ सेवा और सुशासन को समर्पित पार्टी : सीएम योगी

गोरखपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित हिंदू सेवाश्रम भवन की छत पर पार्टी का ध्वज फहराया। इस दौरान उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों के साथ सेल्फी ली और सभी कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की बधाई दी।

संभल में पहली बार निकली रामनवमी की शोभायात्रा

भगवा झंडों और जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा शहर, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

संभल। रामनवमी के अवसर पर संभल में पहली बार विश्व हिंदू परिषद की ओर से भव्य भगवा शोभायात्रा निकाली गई। हाथों में भगवा ध्वज और जुबां पर ₹जय श्रीरामश्र के नारों के साथ श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। यह शोभायात्रा पूरे शहर में चर्चा का केंद्र बनी रही, जिसमें आस्था, परंपरा और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

शोभायात्रा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) की तैनाती की गई थी। चप्पे-चप्पे पर पुलिस मुस्तैद रही। विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्रीय संगठन मंत्री ने इसे संभल के गौरव की वापसी बताते हुए कहा कि यह यात्रा भविष्य में भी इसी गरिमा के साथ निकाली जाएगी।

तलवारों से करतब, झांकियों ने मोहा मन

शोभायात्रा में युवतियों ने हाथों में तलवार लेकर करतब दिखाए और साहस का परिचय दिया। युवा पूरे जोश और उल्लास के साथ झूमते नज़र आए। भगवान राम, हनुमान और अन्य देवी-देवताओं की आकर्षक झांकियां श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र बनी रहीं। भक्ति गीतों और जयकारों ने माहौल को पूरी तरह राममय बना दिया।

अयोध्या में हुआ रामलला का सूर्य तिलक

रामनवमी के दिन अयोध्या पूरी तरह राममय हो गया। अभिजीत मुहूर्त में रामलला का सूर्यतिलक संपन्न हुआ। करीब चार मिनट तक सूर्य की किरणें सीधे रामलला के मस्तक पर पड़ीं, जिसके बाद विधिवत आरती की गई। इस दौरान गर्भगृह की लाइट बंद कर दी गई और रामलला के पट कुछ देर के लिए बंद किए गए।

पश्चिम बंगाल में भी निकली शोभायात्राएं, सियासत तेज

रामनवमी के मौके पर पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों में भी हिंदू संगठनों और बीजेपी कार्यकर्ताओं ने शोभायात्राएं निकालीं। ढोल-नगाड़ों और ₹जय श्रीरामश्र के नारों के साथ भक्त झूमते नजर आए। हालांकि बंगाल में रामनवमी को लेकर राजनीतिक तनाव भी देखा गया। राज्य में पिछले कई दिनों से इसे लेकर सियासी हलचल बनी हुई है और कई क्षेत्रों में तनाव का माहौल बना हुआ है।

फर्जी प्रमाण पत्र बनाकर हासिल की आंगनबाड़ी की नौकरी

गाजीपुर। सैदपुर तहसील में आंगनबाड़ी भर्ती प्रक्रिया को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। यहां एक महिला ने फर्जी आय प्रमाण पत्र के आधार पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की नौकरी हासिल कर ली। जबकि उसके पास तीन मंजिला आलीशान मकान, गाड़ी और दुबई में कार्यरत पति जैसी तमाम सुविधाएं मौजूद हैं।

लेखपाल पर भी गिरी गाज

जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रामेश्वर सुधाकर ने संबंधित लेखपाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। साथ ही फर्जी आय प्रमाण पत्र को निरस्त करने का आदेश भी जारी कर दिया गया है।

नियुक्तियों में धांधली का आरोप

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह केवल एक मामला नहीं है, बल्कि आंगनबाड़ी भर्ती में कई लोगों ने फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर नियुक्ति पाई है। इसमें विभागीय मिलीभगत की भी आशंका जताई जा रही है। जल्द ही अन्य मामलों की भी जांच हो सकती है।

शिकायत पर खुला राज

दरबेपुर ददरा गांव की रहने वाली पूनम कुशवाहा ने ज्वाइंट मजिस्ट्रेट से शिकायत की कि उसी गांव की अप्सरी अंसारी पत्नी अकबर अली ने फर्जी तरीके से वार्षिक आय केवल 42 हजार रुपये का प्रमाण पत्र बनवाया और आंगनबाड़ी में नौकरी हासिल कर ली। जबकि अप्सरी के पति पिछले 10 साल से दुबई में नौकरी कर रहे हैं और उसके पास सभी तरह की सुख-सुविधाएं उपलब्ध हैं।

कैफे की आड़ में हुक्का बार और देह व्यापार का खेल

बरेली में दो महिलाओं का नेटवर्क बेनकाब, 'वी लव कैफे' सील, कई जगहों पर छापेमारी

बरेली। डीडीपुरम इलाके में चल रहे कथित कैफे की आड़ में हुक्का बार और देह व्यापार जैसे गोरखधंधों का पर्दाफाश हुआ है। एसपी सिटी की टीम ने चर्चित वी लव कैफे पर कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया। जांच में सामने आया कि यह कैफे सिर्फ नाम का था, असल में यहां हुक्का बार और अन्य अनैतिक गतिविधियां चलाई जा रही थीं।

सत्ताधारी नेताओं से था संबंध, पुलिस भी बनी रही अनजान

बताया गया है कि वी लव कैफे को 2023 में मनी सक्सेना ने शुरू किया था और 12 फरवरी को इसका उद्घाटन एक सत्ताधारी मंत्री के भाई ने किया था। राजनीतिक रसूख के कारण स्थानीय पुलिस ने कभी इस कैफे की गतिविधियों पर ध्यान नहीं दिया।

दो महिलाओं का नेटवर्क, अंधेरे में 'कपल केबिन'

मनी सक्सेना और आरती तिवारी नाम की दो महिलाओं पर हुक्का बार के जरिये देह व्यापार संचालित करने का आरोप है। कैफे में 'कपल केबिन' बनाए गए थे, जिन्हें जानबूझकर अंधेरा रखा जाता था ताकि भीतर हो रही गतिविधियों की रिकॉर्डिंग मुश्किल हो। हुक्का बार में कुछ लड़कियां कमीशन पर रखी गई थीं, जो ग्राहक आकर्षित करती थीं।

राजनीतिक जुड़ाव अब बना मुसीबत

आरती तिवारी के भी राजनीतिक दलों से जुड़े होने की बात सामने आई है। लेकिन कार्रवाई के बाद दोनों महिलाओं से उनके करीबियों ने दूरी बना ली है। सूत्रों के अनुसार, अब इस मामले को 'सुलझाने' के प्रयास भी शुरू हो गए हैं।

शहर के कई कैफे पर छापेमारी

वी लव कैफे के अलावा डेडली कैफे, फुटपाथ कैफे, डाउन टाउन कैफे, वक्फ कैफे और बूमरंग कैफे पर भी पुलिस ने छापा मारा। इन सभी कैफे में हुक्का और शराब परोसी जाती थी। शिकायत मिलने पर पुलिस ने इन स्थानों पर दबिश दी और आपत्तिजनक सामग्री बरामद की। एसपी सिटी की कार्रवाई के बाद स्थानीय पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कौशांबी में मुठभेड़ के बाद तीन बदमाश गिरफ्तार, अपहृत बच्चा सकुशल बरामद

कौशांबी। जिले की सैनी कोतवाली क्षेत्र में 13 वर्षीय बच्चे के अपहरण की वारदात को पुलिस ने महज 12 घंटे में सुलझा लिया। पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ के बाद तीन अपहर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ के दौरान तीनों के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अपहृत बच्चे को सकुशल बरामद कर परिजनों के हवाले कर दिया।

रात में घर के बाहर से अगवा किया था मासूम

शनिवार देर रात पहाड़पुर कोदन गांव में 13 साल का प्रतीक अपने बाबा के साथ घर के बाहर सो रहा था, तभी बदमाशों ने उसे अगवा कर लिया। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी, एएसपी और सीओ मौके पर पहुंचे और कई टीमों का गठन कर तलाश शुरू की।

फिरौती के लिए रचा था अपहरण का प्लान

रविवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि बदमाश कड़ा धाम थाना क्षेत्र में छिपे हैं। घेराबंदी के दौरान बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने तीनों के पैरों में गोली मारकर उन्हें धर दबोचा। पकड़े गए आरोपियों की पहचान गुड्डू, शेरा और सुभाष विश्वकर्मा के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि प्रतीक के बाबा ने हाल ही में एक भूखंड बेचा था। बदमाशों ने इस पैसे को हासिल करने के लिए 25 लाख रुपये की फिरौती मांगने की योजना बनाई थी। लेकिन इससे पहले ही वे पुलिस के हत्थे चढ़ गए। एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले का खुलासा किया और बताया कि बदमाशों की योजना फिरौती के पैसे ऐंठने की थी। समय रहते पुलिस ने कार्रवाई कर बच्चे को सुरक्षित बरामद कर लिया। इस उपलब्धि पर एडीजी प्रयागराज जोन ने पुलिस टीम को 50,000, आईजी ने 35,000 और एसपी ने 25,000 का इनाम देने की घोषणा की है।

आगरा में बड़ा हादसा: एक साथ गिरीं पांच दुकानें, धमाके से गूंजा इलाका

आगरा। आवास विकास कॉलोनी के सेक्टर-7 में एक भीषण हादसा हो गया, जब पांच दुकानें अचानक भरभराकर ढह गईं। घटना के समय दो दुकानों के बीच की दीवार को हटाया जा रहा था। तभी पूरा स्ट्रक्चर कमजोर होकर गिर गया। हादसे में दो सगे भाइयों की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जब दुकानें गिरीं तो इतना तेज धमाका हुआ कि लोग घबरा गए। आसपास धूल का गुबार फैल गया और लोग अपने घरों व दुकानों से बाहर निकल आए। कुछ को भूकंप का भ्रम हुआ तो कुछ को बम धमाका लगा। हादसे के बाद मलबे में 9 लोग दब गए थे। पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर तीन घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया।

व्यापार जगत

सेंसेक्स-निफ्टी की गिरावट से कंपनियों को बड़ा झटका, TCS को सबसे ज्यादा नुकसान

मुंबई। बीते हफ्ते छुट्टियों के कारण छोटा रहा लेकिन देश के शीर्ष-10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ की कुल बाजार कीमत में 2,94,170।16 करोड़ रुपये की भारी कमी देखी गई। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को सबसे बड़ा झटका लगा। यह गिरावट घरेलू शेयर बाजार में मंदी के रुख के कारण हुई। बाजार सूचकांकों में भी तेज गिरावट दर्ज की गई। बीएसई का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 2,050।23 अंक यानी 2।64 प्रतिशत नीचे गिर गया, जबकि एनएसई निफ्टी में 614।8 अंक यानी 2।61 प्रतिशत की कमी आई। इस मंदी ने निवेशकों के लिए चिंता बढ़ा दी है। शीर्ष-10 कंपनियों में से केवल भारती एयरटेल ही ऐसी कंपनी रही, जिसकी बाजार कीमत में बढ़ोतरी हुई, जबकि बाकी नौ कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज की बाजार कीमत में 1,10,351।67 करोड़ रुपये की कमी आई और यह 11,93,769।89 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज की कीमत 95,132।58 करोड़ रुपये घटकर 16,30,244।96 करोड़ रुपये हो गई। इंफोसिस की बाजार कीमत में भी 49,050।04 करोड़ रुपये की गिरावट हुई और यह 6,03,178।45 करोड़ रुपये रह गई। बजाज फाइनेंस की बाजार पूंजीकरण में 14,127।07 करोड़ रुपये की कमी आई और यह 5,40,588।05 करोड़ रुपये पर आ गई। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक की कीमत 9,503।66 करोड़ रुपये कम होकर 9,43,264।95 करोड़ रुपये हो गई।

भारती एयरटेल ने दिखाई मजबूती, बाकी को नुकसान

निजी क्षेत्र के बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक की बाजार कीमत में 8,800।05 करोड़ रुपये की कमी आई और यह 13,90,408।68 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड की कीमत 3,500।89 करोड़ रुपये घटकर 5,27,354।01 करोड़ रुपये हो गई। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की बाजार पूंजीकरण में 3,391।35 करोड़ रुपये की गिरावट हुई और यह 6,85,232।33 करोड़ रुपये पर आ गई। आईटीसी की कीमत में भी 312।85 करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई, जिसके बाद यह 5,12,515।78 करोड़ रुपये रह गई। हालांकि, इस मंदी के बीच भारती एयरटेल ने मजबूत प्रदर्शन किया। इसकी बाजार पूंजीकरण में 7,013।59 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह 9,94,019।51 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। यह इस समूह की इकलौती कंपनी रही, जिसने लाभ कमाया। रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी भी सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान है। यह गिरावट शेयर बाजार में अस्थिरता को दर्शाती है और आने वाले दिनों में निवेशकों की नजर बाजार के रुख पर बनी रहेगी।

अमेरिकी टैरिफ से मार्केट हुआ लाल, FPI ने निकाल लिए इतने करोड़

मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल को दुनिया भर के कई देशों पर जवाबी रेसिप्रोकल टैरिफ का ऐलान कर दिया, जिसके बाद से ही ग्लोबल टेंशन का माहौल बना हुआ है। ट्रंप की टैरिफ का असर भारतीय मार्केट पर दिखने को मिल रहा है। एफपीआई ने पिछले चार कारोबारी सत्रों में भारतीय शेयर बाजार से 10,355 करोड़ रुपये निकाले हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, 21 मार्च से 28 मार्च तक छह कारोबारी सत्रों में एफपीआई ने भारतीय बाजार में 30,927 करोड़ रुपये डाले थे। इस प्रवाह की वजह से मार्च महीने में उनकी कुल निकासी घटकर 3,973 करोड़ रुपये रही है। इससे पहले फरवरी में, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयरों से 34,574 करोड़ रुपये निकाले थे, जबकि जनवरी में उनकी निकासी 78,027 करोड़ रुपये रही थी। बीडीओ इंडिया के भागीदार और लीडर, मनोज पुरोहित ने कहा कि आने वाले दिनों में बाजार भागीदारों की निगाह अमेरिकी शुल्क के लंबे समय के प्रभाव और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की इस सप्ताह होने वाली मौद्रिक समीक्षा बैठक पर रहेगी। बाजार उम्मीद कर रहा है कि केंद्रीय बैंक रेपो दर में कटौती करेगा। ये घटनाक्रम आगामी दिनों में निवेश रणनीतियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

FPI ने की बिकवाली

आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने पिछले चार कारोबारी सत्रों (एक अप्रैल से चार अप्रैल तक) तक भारतीय शेयरों से शुद्ध रूप से 10,355 करोड़ रुपये निकाले हैं। इसके साथ ही, 2025 में अबतक एफपीआई की कुल निकासी 1।27 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि अमेरिकी शुल्क उम्मीद से कहीं अधिक हैं, जिसका असर उनके बिजनेस पर पड़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत और अन्य देशों पर जवाबी शुल्क से अमेरिका में महंगाई बढ़ेगी। अमेरिकी टैरिफ का दवाब जहां भारतीय शेयर बाजार पर देखने को मिल रहा है। वहीं, दूसरी ओर अमेरिकी बाजारों में भी बिकवाली देखने को मिली है।

ट्रंप टैरिफ से समुद्री उत्पाद निर्यात पर संकट

2.5 अरब डॉलर के झींगा व्यापार पर मंडराया खतरा

नई दिल्ली। अमेरिका की ओर से लागू किए गए 'ट्रंप टैरिफ' का असर भारत के समुद्री उत्पादों के निर्यात पर भी पड़ने की आशंका है। अनुमान है कि यह 2.5 अरब डॉलर के 'मच्छी मार्केट' पर सीधा असर डाल सकता है। साल 2023-24 में भारत ने अमेरिका को 2.5 अरब डॉलर के समुद्री उत्पाद एक्सपोर्ट किए थे, जिनमें सबसे बड़ी हिस्सेदारी झींगा

(प्रॉन्स) की रही। भारत से अमेरिका को होने वाले समुद्री उत्पाद निर्यात में करीब 92% हिस्सा झींगा का होता है। भारत इस श्रेणी में अमेरिका का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। अब भारत पर 26% टैरिफ लगने से इस क्षेत्र को बड़ा झटका लग सकता है। शार्क, ट्यूना, हिल्सा, सैलफिश जैसी अन्य मछलियों का भी भारत से निर्यात होता है, जो अब महंगी होकर प्रतिस्पर्धा में पिछड़ सकती हैं। भारतीय समुद्री खाद्य निर्यात संघ (MPEDA) के अध्यक्ष पवन कुमार के मुताबिक, इस टैरिफ की वजह से भारतीय निर्यातकों पर करीब 600 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय दबाव बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि अधिकतर ऑर्डर डोर-स्टेप डिलीवरी वाले होते हैं, जिसकी ड्यूटी भी निर्यातक को ही चुकानी होती है। जानकारों के अनुसार, यह असर 9 अप्रैल से ही दिखने लगेगा, क्योंकि इस समय भारत से समुद्री उत्पादों के करीब 2000 कंटेनर अमेरिकी बाजार में मौजूद हैं।

रेलवे स्टॉक्स में दिखेगी रफ्तार, सरकार के बड़े फैसले से निवेशकों की बढ़ेगी दिलचस्पी

18,658 करोड़ रुपये की चार बड़ी परियोजनाएं मिलीं मंजूरी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रेसिप्रोकल टैरिफ के ऐलान के बाद वैश्विक बाजारों में तनाव गहराता जा रहा है। इसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी साफ देखा जा रहा है। बीते पांच महीनों से लाल निशान में चल रहे बाजार में अब और गिरावट देखी जा रही है। टॉप 10 लिस्टेड कंपनियों में से 9 के मार्केट कैप में गिरावट आई है। ऐसे में केंद्र सरकार ने शुक्रवार को रेलवे सेक्टर को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है, जिससे उम्मीद की जा रही है कि सोमवार को रेलवे स्टॉक्स में जबरदस्त हलचल देखने को मिलेगी।

रेलवे क्षेत्र को 18,658 करोड़ की सौगात

सरकार ने रेलवे मल्टीट्रैकिंग से जुड़ी चार प्रमुख परियोजनाओं को मंजूरी दी है। कुल 18,658 करोड़ रुपये की इन योजनाओं से IRFC, रेलटेल और RVNL जैसे रेलवे पीएसयू शेयरों पर खास फोकस रहेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इन स्टॉक्स में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ सकती है। इन योजनाओं के तहत महाराष्ट्र, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में रेलवे नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा। छत्तीसगढ़: 615 किलोमीटर लंबी नई रेलवे लाइन के लिए 8,741 करोड़ रुपये का निवेश। महाराष्ट्र: गोंदिया-बल्हारशाह मार्ग पर लाइन डबलिंग के लिए 4,819 करोड़ रुपये का बजट,ओडिशा :संबलपुर-जरापाड़ा के बीच तीसरी व चौथी लाइन के लिए 3,917 करोड़ रुपये और झारसुगुड़ा-सासन के बीच तीसरी व चौथी लाइन की मंजूरी भी शामिल। सरकार के इस फैसले से ना सिर्फ रेलवे बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी, बल्कि इससे रेलवे पीएसयू में निवेशकों का भरोसा भी बढ़ेगा। सोमवार को शेयर बाजार में इन स्टॉक्स पर खास नजर रहेगी।

मुंबई इंडियंस की बल्लेबाजी की परीक्षा

- सूर्यकुमार पर फिर रहेगी नजर, रोहित की फिटनेस बनी चिंता का कारण

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

आईपीएल में लगातार हार झेल रही मुंबई इंडियंस के लिए सोमवार को वानखेड़े स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबला बेहद अहम साबित होने जा रहा है। टूर्नामेंट में अपनी उम्मीदें बरकरार रखने के लिए मुंबई को इस मैच में अपने बल्लेबाजों से दमदार प्रदर्शन की दरकार होगी। अब तक चार में से तीन मैच गंवा चुकी पांच बार की चैंपियन मुंबई की बल्लेबाजी इस सीजन खास असर नहीं छोड़ पाई है। सिर्फ सूर्यकुमार यादव और रयान रिकेल्टन ही अर्धशतक जड़ सके हैं।

रोहित की चोट बनी चुनौती, तिलक भी नहीं दिखा सके प्रभाव

मुंबई के बल्लेबाजी संघर्ष के केंद्र में रोहित शर्मा रहे हैं, जो न तो रन बना सके हैं और न ही फिटनेस के कारण लखनऊ के खिलाफ मैदान पर उतरे थे। तिलक वर्मा भी अब तक अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल सके हैं। रोहित की उपलब्धता को लेकर संशय बरकरार है, लेकिन टीम को अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना ही होगा। फिलहाल सूर्यकुमार यादव ही एकमात्र भरोसे का नाम बने हुए हैं, जिन्होंने चार मैचों में 177 रन बनाए हैं। लखनऊ के खिलाफ उन्होंने अर्धशतक जड़कर उम्मीद जगाई, लेकिन दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिलने के कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा।

बुमराह की वापसी से मिली राहत

पिछले मुकाबले में हार्दिक पंड्या ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट झटके, फिर भी विपक्षी टीम ने बड़ा स्कोर खड़ा कर दिया। बल्लेबाज लक्ष्य का पीछा करने में नाकाम रहे। हालांकि, मुंबई के लिए राहत की बात यह है कि जसप्रीत बुमराह टीम से जुड़ गए हैं। उनकी गेंदबाजी से टीम को मजबूती मिल सकती है, बशर्ते वह पूरी तरह फिट हों। मुंबई की एकमात्र जीत वानखेड़े में कोलकाता के खिलाफ आई थी, और टीम उसी प्रदर्शन को दोहराना चाहेगी।

विराट से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

आरसीबी इस मौके का फायदा उठाकर मुंबई की कमजोर बल्लेबाजी को चुनौती देना चाहेगी। टीम को विराट कोहली से बड़ी पारी की उम्मीद है, जिन्होंने केकेआर के खिलाफ अर्धशतक लगाया था। फिल साल्ट, देवदत्त पडिक्कल और कप्तान रजत पाटीदार टीम को आक्रामक शुरुआत दिला सकते हैं। टिम डेविड ने डेथ ओवर्स में उपयोगी पारी खेली है, जिससे टीम को मजबूती मिली है। गेंदबाजी में जोश हेज़लवुड और भुवनेश्वर कुमार के रूप में टीम के पास मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण है, हालांकि स्पिन विभाग अब तक कुछ खास नहीं कर पाया है। आरसीबी अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है और गुजरात से मिली हार को भुलाकर वापसी की कोशिश में जुटी है। मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

टीमों की संभावित इलेवन

- **मुंबई इंडियंस :** हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, रॉबिन मिंज, रयान रिकेल्टन, श्रीजीत कृष्णन, बेवोन जैकब्स, तिलक वर्मा, नमन धीर, विल जैक्स, मिशेल सेंटनर, राज अंगद बावा, विग्नेश पुथुर, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, कर्ण शर्मा, दीपक चाहर, अश्विनी कुमार, रीस टॉपले, वीएस पेनमेट्सा, अर्जुन तेंदुलकर, मुजीब उर रहमान, जसप्रीत बुमराह।
- **रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु :** रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, फिल साल्ट, जितेश शर्मा, देवदत्त पडिक्कल, स्वास्तिक छिकारा, लियाम लिविंगस्टोन, क्रुणाल पंड्या, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, सुयश शर्मा, भुवनेश्वर कुमार, नुवान तुषारा, लुंगी एनगिडी, अभिनंदन सिंह, मोहित राठी, यश दयाल।

धोनी की धीमी बल्लेबाज़ी पर भड़के मनोज तिवारी

एजेंसी । चेन्नई

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) का प्रदर्शन अब तक निराशाजनक रहा है। टीम 4 में से तीन मुकाबले हार चुकी है और हाल ही में उसे दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 25 रनों से शिकस्त झेलनी पड़ी। इस मैच में पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की बल्लेबाज़ी भी सवालों के घेरे में आ गई। उन्होंने 26 गेंदों पर सिर्फ 30 रन बनाए, जिसके बाद उनकी बल्लेबाज़ी और टीम में भूमिका को लेकर बहस तेज हो गई है।

इस बीच, टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज़ मनोज तिवारी ने धोनी की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें 2023 में आईपीएल ट्रॉफी जीतने के बाद ही संन्यास ले लेना चाहिए था। तिवारी ने कहा, 'जिस तरह से धोनी खेल रहे हैं, उससे वह धीरे-धीरे प्रशंसकों का सम्मान खो रहे हैं।' क्रिकबज़ से बातचीत में मनोज तिवारी ने कहा, 'मुझे लगता है कि 2023 आईपीएल जीतना उनके संन्यास के लिए सबसे सही समय था। पिछले दो सालों में उनके प्रदर्शन से उनकी छवि पर असर पड़ा है। फैंस उन्हें इस तरह संघर्ष करते देखना नहीं चाहते।' उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली के खिलाफ हार के बाद फैन्स का नाराज़ होकर सड़कों पर उतरना इस बात का संकेत है कि अब बदलाव की जरूरत है।

फ्लेमिंग के बयान पर भी जताई नाराज़गी

तिवारी ने सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग पर भी निशाना साधा। उन्होंने फ्लेमिंग के उस बयान पर आपत्ति जताई जिसमें कहा गया था कि धोनी 10 ओवर से ज़्यादा बल्लेबाज़ी नहीं कर सकते। तिवारी बोले, 'अगर आप पूरे 20 ओवर फील्डिंग कर सकते हैं, तो बल्लेबाज़ी क्यों नहीं? टीम को आपकी जरूरत होती है, तो आप खुद को सीमित क्यों कर रहे हैं?' उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है जब टीम मैनेजमेंट को कड़ा फैसला लेना चाहिए और स्पष्ट करना चाहिए कि टीम के हित में कौन-से फैसले जरूरी हैं। धोनी ने आईपीएल 2025 में अब तक 4 मैचों में केवल 76 रन बनाए हैं और वे एक बार ही आउट हुए हैं। उनकी स्ट्राइक रेट और बैटिंग पोजिशन को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं।

मनोज तिवारी का करियर एक नज़र में

पूर्व भारतीय बल्लेबाज़ तिवारी ने भारत के लिए 12 वनडे और 3 टी20 मुकाबले खेले हैं। उन्होंने वनडे में एक शतक और एक अर्धशतक के साथ 287 रन, और टी20 में 15 रन बनाए हैं। गेंदबाज़ी में भी उनके नाम 5 विकेट दर्ज हैं। धोनी की धीमी बल्लेबाज़ी पर उठते सवालों के बीच अब देखना होगा कि सीएसके और कप्तान रुतुराज गायकवाड़ आने वाले मुकाबलों में क्या रणनीतिक बदलाव करते हैं।

विश्व मुक्केबाजी कप में भारत का शानदार प्रदर्शन

छह पदकों के साथ किया अभियान का समापन

- हितेश ने रचा इतिहास, स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज बने

एजेंसी । नई दिल्ली

ब्राजील के फोज डू इगुआकू में आयोजित विश्व मुक्केबाजी कप में भारतीय मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल छह पदक अपने नाम किए। इनमें हितेश का स्वर्ण पदक भी शामिल है, जो इस प्रतियोगिता में भारत के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है।

यह पहली बार था जब भारत ने विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित किसी शीर्ष अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। हितेश ने 70 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। उनके फाइनल प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के ओडेल कामारा चोट के कारण मुकाबले में नहीं उतर सके। 65 किग्रा वर्ग में अभिनाश जामवाल ने फाइनल तक का सफर तय किया, लेकिन ब्राज़ील के यूरी रेइस से कड़ी टक्कर के बाद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इसके अलावा जादुमणि सिंह मंदेंगबाम (50 किग्रा), मनीष राठौड़ (55 किग्रा), सचिन (60 किग्रा) और विशाल (90 किग्रा) ने कांस्य पदक अपने नाम किए। हितेश ने अपनी सफलता का श्रेय ब्राजील में टूर्नामेंट से पूर्व आयोजित 10 दिवसीय तैयारी शिविर को दिया। उन्होंने कहा, 'शिविर में हमने रणनीतिक पहलुओं को गहराई से समझा, जिसने मुकाबलों में काफी मदद की। यह टूर्नामेंट हमारे लिए उच्च स्तर का अनुभव रहा।' भारत ने इस प्रतियोगिता में 10 सदस्यीय दल भेजा था, जो पेरिस ओलंपिक के बाद टीम का पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट रहा। इस प्रदर्शन से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है और यह 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक की तैयारी में भी मददगार साबित होगा।

'व्हाइट कार्ड' अभियान से जुड़ी भारतीय हॉकी टीम

- खेल के ज़रिए शांति का दिया संदेश

एजेंसी । नई दिल्ली

'विकास और शांति के लिए अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस' के अवसर पर भारतीय हॉकी सितारों ने खेल के माध्यम से शांति का संदेश दिया। हॉकी इंडिया की पहल पर महिला टीम की खिलाड़ियों ने वैश्विक #व्हाइटकार्ड अभियान में भाग लेकर संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों के प्रति एकजुटता दिखाई।

व्हाइट कार्ड, खेल में इस्तेमाल होने वाले लाल और पीले कार्डों के विपरीत, शांति, समावेश और आशा का प्रतीक माना जाता है। इस अभियान का उद्देश्य दुनिया भर के उन 460 मिलियन बच्चों की ओर ध्यान खींचना है, जो संघर्ष और हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे हैं और जिन्हें सुरक्षित खेल के मैदान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सुविधा नहीं मिल पाती। भारतीय महिला हॉकी टीम की अनुभवी फॉरवर्ड लालरेम्सियामी ने कहा, 'खेल की ताकत सीमाएं मिटा सकती है और यह लोगों को एकजुट करने की क्षमता रखता है। #व्हाइटकार्ड अभियान उन मूल्यों को दर्शाता है, जिनके साथ हम मैदान पर और मैदान के बाहर जीते हैं - सम्मान, टीमवर्क और शांति। मुझे गर्व है कि मैं इस अभियान का हिस्सा हूं।' टीम की गोलकीपर सविता ने खेल के प्रभाव पर कहा, 'हॉकी ने मुझे आत्मविश्वास और उद्देश्य दिया। यही बदलाव संघर्ष क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों के जीवन में भी लाया जा सकता है।'

वहीं टीम की युवा स्टार और ड्रैगफ्लिकर दीपिका ने कहा, 'हॉकी ने मुझे अनुशासन, साहस और सम्मान सिखाया है। खेल सिर्फ पदक जीतने का माध्यम नहीं बल्कि यह चरित्र निर्माण और समुदाय को जोड़ने का माध्यम है। #व्हाइटकार्ड अभियान हमारे शांति और उज्जवल भविष्य के प्रति संकल्प को दर्शाता है।'

हॉलीवुड स्टार विल स्मिथ ने दिलजीत दोसांझ के साथ किया भांगड़ा

पंजाबी गायक और बॉलीवुड अभिनेता दिलजीत दोसांझ हर किसी के पसंदीदा कलाकार हैं। दिलजीत फिलहाल अपने संगीत समारोहों के लिए दुनिया भर का दौरा कर रहे हैं। दिलजीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस वीडियो में दिलजीत हॉलीवुड सुपरस्टार विल स्मिथ के साथ भांगड़ा करते नजर आ रहे हैं।

दिलजीत-विल का डांस हुआ वायरल

दिलजीत और विल स्मिथ ने इंस्टाग्राम पर एक डांस वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में विल स्मिथ दिलजीत के डांस स्टेप्स कॉपी करने की कोशिश कर रहे हैं। इस वीडियो के नीचे दिलजीत ने कैप्शन लिखा, 'पंजाबी आ गया ओए। दिग्गज कलाकार विल स्मिथ के साथ डांस किया। किंग विल स्मिथ को भांगड़ा करते और पंजाबी ढोल की थाप पर कदम रखते देखना प्रेरणादायक है', इन शब्दों में दिलजीत ने विल स्मिथ के डांस की तारीफ की। इन दोनों का ये डांस सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

दिलजीत का वर्कफ्रंट

दिलजीत दोसांझ के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार फिल्म 'जट्ट एंड जूलियट 3' में नजर आए थे। 2024 में रिलीज हुई इस पंजाबी कॉमेडी फिल्म में दिलजीत के साथ नीरू बाजवा नजर आईं थीं। इसके अलावा 2024 में रिलीज हुई फिल्म अमर सिंह चमकीला में दिलजीत ने मुख्य भूमिका निभाई थी। यह फिल्म काफी लोकप्रिय हुई थी। इसके अलावा दिलजीत की एक्टिंग को भी खूब सराहा गया और उन पर अवॉर्ड्स की बरसात हुई। दिलजीत के आगामी प्रोजेक्ट को लेकर हर कोई उत्सुक है।

'सिकंदर' की कमाई में बड़ी गिरावट, 100 करोड़ी के क्लब से दूर

सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' से दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं। हालांकि, इस साल बॉक्स ऑफिस पर सलमान का जादू फीका पड़ता दिख रहा है। रिलीज के 7 दिन बाद भी 'सिकंदर' अभी तक 100 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल नहीं हो पाई है। इसके अलावा फिल्म का मूल बजट का आधा भी नहीं वसूल हो पाया है। इससे पता चलता है कि 'सिकंदर' बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही। सलमान खान डेढ़ साल बाद 'सिकंदर' के साथ बॉक्स ऑफिस पर वापसी करने जा रहे थे। इसलिए सभी को उम्मीद थी कि यह फिल्म पहले दिन ही शानदार ओपनिंग करेगी। हालांकि, फिल्म ने पहले दिन केवल 26 करोड़ रुपये कमाए। देश भर में 'सिकंदर' को मिली दर्शकों की संख्या को देखते हुए यह राजस्व बहुत कम है। ऐसा देखा जा रहा है कि 'सिकंदर' की कमाई दिन-ब-दिन कम होती जा रही है।

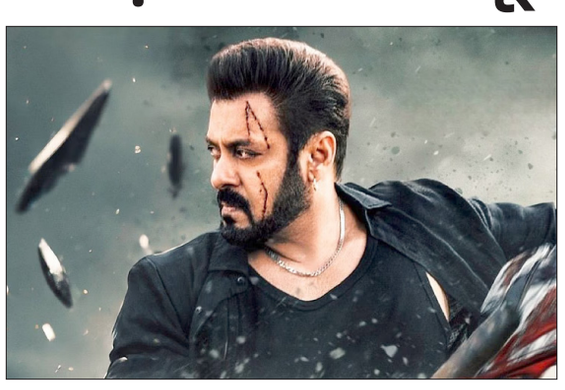

ईद जैसे बड़े त्योहार के बावजूद फिल्म ने सिर्फ 29 करोड़ रुपये का ही कलेक्शन किया। इसके बाद तीसरे दिन फिल्म की कमाई घटकर 19.5 करोड़ रुपये पर आ गई। चौथे दिन यह आंकड़ा 9.75 करोड़, पांचवें दिन 6 करोड़ और सातवें दिन गिरकर सिर्फ 3.75 करोड़ रुपये रह गया। स्पष्ट है कि शुरुआती जोश के बाद फिल्म की रफ्तार लगातार धीमी होती गई है, जो मेकर्स के लिए चिंता का विषय बन गई है। 7वें दिन फिल्म ने महज 3.75 करोड़ रुपये कमाए, जिससे इसकी कुल कमाई 97.50 करोड़ रुपये तक पहुंची है। मुकाबले में देखा जाए तो सलमान की पिछली फिल्म 'टाइगर 3' ने सातवें दिन ही 219.4 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया था। 'सिकंदर' अभी तक 100 करोड़ के पास भी नहीं पहुंच सकी, जो सलमान जैसे सुपरस्टार के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। सलमान खान की सिकंदर में सलमान खान, रश्मिका, दिवंगत अभिनेत्री स्मिता पाटिल के बेटे प्रतीक बब्बर, सत्यराज, शरमन जोशी, काजल अग्रवाल, किशोर और संजय कपूर महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

'सीआईडी' में आएगा नया एसीपी, शिवाजी साटम की जगह निभाएंगे पार्थ समथान

टीवी की दुनिया के सबसे लंबे समय तक चलने वाले क्राइम शो 'सीआईडी' में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। सोनी टीवी पर प्रसारित होने वाले इस शो में सालों तक एसीपी प्रद्युमन की भूमिका निभाने वाले अभिनेता शिवाजी साटम की विदाई के बाद अब एक नया चेहरा सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पार्थ समथान अब सीआईडी में नए एसीपी के रूप में नजर आएंगे। 27 सालों से शो में एसीपी प्रद्युमन की अहम भूमिका निभा रहे शिवाजी साटम की मौत को कहानी का हिस्सा बना दिया गया है। शो में उनकी लाश को सफेद चादर में लिपटा देख फैंस भावुक हो उठे। अब इसी कड़ी में अभिनेता पार्थ समथान को टीम का नया लीड बनाया गया है। वह एसीपी आयुष्मान की भूमिका में नजर आएंगे।

'स्त्री 2' के प्रेशर में रातों की नींद गंवा बैठे अमर कौशिक

2024 की सबसे बड़ी हिट फिल्म 'स्त्री 2' की अपार सफलता के बाद निर्देशक अमर कौशिक अब चैन की नींद सो पा रहे हैं। हालांकि, इस कामयाबी के पीछे की कहानी उतनी आसान नहीं रही। अमर कौशिक ने खुलासा किया है कि फिल्म के निर्माण के दौरान उन पर जबरदस्त मानसिक दबाव था, और रिलीज से पहले दो-तीन महीनों तक वो ठीक से सो भी नहीं पाए।

फिल्म समीक्षक कोमल नाहटा से बातचीत में अमर कौशिक ने बताया कि 'स्त्री 2' को तयशुदा समय पर बनाना था, जिसकी वजह से टीम पर लगातार दबाव बना रहा। उन्होंने कहा, 'फिल्म पहले से तय थी, चीजें बहुत जल्दी करनी थीं। अब मैं कोशिश कर रहा हूं कि अगले 3-4 महीने खुद को थोड़ा आराम दूं। लोग पूछते हैं कि 'स्त्री 3' कब आ रही है, लेकिन मैं उस प्रेशर को खुद पर हावी नहीं होने दे रहा।' अमर ने माना कि किसी हिट फिल्म का सीक्वल बनाना आसान काम नहीं होता। 'हम जानते थे कि सीक्वल हमेशा ज्यादा सख्ती से जज किया जाता है। मेरे लेखक नीरेन भट्ट और मैंने पहले ही तय कर लिया था कि हमें गालियां सुनने के लिए तैयार रहना होगा।'

आज बिहार में राहुल गांधी

बेगूसराय में कन्हैया संग पदयात्रा में होंगे शामिल

पटना में संविधान सुरक्षा सम्मेलन में रखेंगे विचारगे

एजेंसी । बेगूसराय

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी रविवार, 7 अप्रैल को इस वर्ष तीसरी बार बिहार पहुंचे। उन्होंने पटना में संविधान की रक्षा विषयक संगोष्ठी में भाग लेने के बाद कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार के साथ बेगूसराय में पदयात्रा में हिस्सा लेने का ऐलान किया है। कन्हैया इन दिनों 'पलायन रोको, नौकरी दो' यात्रा पर हैं।

राहुल बोले – कंधे से कंधा मिलाकर चलूंगा

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करते हुए लिखा,'बिहार के युवा साथियों, मैं 7 अप्रैल को बेगूसराय आ रहा हूं। पलायन रोको, नौकरी दो यात्रा में आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलूंगा। White T-shirt पहनिए, सवाल पूछिए, आवाज़ उठाइए – सरकार पर दबाव बनाइए।' उन्होंने कहा कि इस यात्रा का मकसद है बिहार के युवाओं का संघर्ष, उनकी पीड़ा और उनके सपनों को पूरी दुनिया के सामने लाना।

कन्हैया की यात्रा में राहुल का समर्थन

बेगूसराय, कन्हैया कुमार का गृह जिला है, जहां वे 16 मार्च से अपनी राज्यव्यापी पदयात्रा पर हैं। हालांकि 30 मार्च को अररिया में सुरक्षा गार्डों और पार्टी कार्यकर्ताओं के विवाद के कारण उन्हें यात्रा बीच में छोड़नी पड़ी थी। बाद में बताया गया कि वे दिल्ली में पार्टी की केंद्रीय बैठक में भाग लेने गए थे। यह यात्रा 14 अप्रैल, बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती पर समाप्त होगी।

बिहार में तीसरा दौरा, विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश

बिहार में चुनावी तैयारी के मद्देनज़र राहुल गांधी का यह इस साल तीसरा दौरा है। इससे पहले वे 18 जनवरी और 5 फरवरी को भी राज्य आए थे। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि भारत गठबंधन राज्य में एकजुट होकर चुनाव लड़ेगा और मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार पर सामूहिक सहमति से निर्णय लिया जाएगा।

पटना में संविधान सुरक्षा सम्मेलन में हुए शामिल

राहुल गांधी ने पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित संविधान सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लिया। पार्टी नेताओं ने बताया कि यह आयोजन महात्मा गांधी के नमक सत्याग्रह की स्मृति में किया गया। राहुल गांधी ने सम्मेलन में सामाजिक कार्यकर्ताओं से भी बातचीत की और केंद्र सरकार पर संविधान को कमजोर करने का आरोप लगाया।

11 अप्रैल को जन सुराज पार्टी की रैली

कांग्रेस की सक्रियता के बीच प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी भी 11 अप्रैल को पटना के गांधी मैदान में बड़ी रैली करने जा रही है। पार्टी का दावा है कि वह आगामी विधानसभा चुनाव में बिहार में बदलाव लाने के लिए जनता को एकजुट करेगी। इस साल अक्टूबर-नवंबर में राज्य में चुनाव होने हैं, ऐसे में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है।

वक्फ संशोधन कानून के समर्थन में शाहीन बाग में BJP की धन्यवाद यात्रा

AIMPLB पर प्रतिबंध की मांग, कानून को बताया मुस्लिम हितैषी

एजेंसी । नई दिल्ली

वक्फ संशोधन कानून को लेकर देश में जारी सियासत के बीच BJP अल्पसंख्यक मोर्चा ने रविवार को शाहीन बाग में 'धन्यवाद पदयात्रा' निकाली। कानून को मुस्लिम समुदाय के हित में बताते हुए मोर्चा ने AIMPLB जैसे संगठनों पर जांच और प्रतिबंध लगाने की मांग की। इस कार्यक्रम के दौरान इलाके में भारी सुरक्षा बल तैनात रहा।

'वक्फ कानून मुसलमानों के हित में' : जमाल सिद्दीकी

बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा, 'वक्फ संशोधन कानून पूरी तरह से मुसलमानों के पक्ष में है। कुछ संगठन मुस्लिमों का फायदा उठाकर उन्हें गुमराह करते हैं। AIMPLB जैसे संगठन आतंकियों का समर्थन करते हैं। इन पर जांच होनी चाहिए और आवश्यक कार्रवाई भी।'उन्होंने यह भी कहा कि 'सरकार के अच्छे फैसलों का मुसलमानों ने हमेशा स्वागत किया है। हम यह बताने आए हैं कि शाहीन बाग, जिसे CAA विरोध के कारण बदनाम किया गया, अब इस कानून के साथ खड़ा है।'

CAA विरोध की जगह पर नहीं मिली अनुमति

शाहीन बाग में जहां CAA के खिलाफ आंदोलन हुआ था, वहीं पर पदयात्रा निकालने की अनुमति बीजेपी मोर्चा ने मांगी थी। हालांकि दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए इजाजत नहीं दी। इस दौरान आयोजकों और पुलिस अधिकारियों के बीच तीखी बहस भी हुई। RAF और पुलिस बल की भारी तैनाती के बीच, पुलिस ने आयोजकों से यात्रा का रूट बदलने का आग्रह किया, जिसे बाद में स्वीकार किया गया।

वक्फ संशोधन पर जारी है सियासत, सुप्रीम कोर्ट में भी पहुंचा मामला

गौरतलब है कि वक्फ संशोधन विधेयक, जिसे संसद से मंजूरी के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने साइन कर लागू कर दिया है, उसका विरोध और समर्थन दोनों ही स्तर पर जारी है। विरोध करने वाले सुप्रीम कोर्ट का रुख कर चुके हैं और कई याचिकाएं दाखिल की गई हैं। दूसरी ओर, बीजेपी इसे मुस्लिम समाज के हित में बता रही है। इस कानून को लेकर आगे भी राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर टकराव की संभावना बनी हुई है।

श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर ट्राली पलटी

तीन की मौत व 12 घायल

झांसी। गुरसरांय थाना क्षेत्र अंतर्गत लोहिया पुल पर सवारियों से भरी ट्रैक्टर की ट्रॉली पलटने से 3 महिलाओं की मौत हो गई जबकि 12 गंभीर रुप से घायल हैं। बताया जा रहा है कि सभी श्रद्धालु रतनगढ़ देवी के दर्शन के लिए जा रहे थे। मऊरानीपुर के ग्राम टकटोली क्षेत्र से कुशवाहा समाज के करीब 30-40 श्रद्धालु रामनवमी पर ट्रैक्टर ट्राली से रतनगण माता जवारे लेकर जा रहे थे। जैसे ही ट्रैक्टर गुरसरांय के समीप लोहियापुल पर पंहुचा तभी ट्रैक्टर चालक अपना संतुलन खो बैठा और ट्रॉली पलट गई। अचानक हुए इस हादसे से ट्राली पलटते ही सवारियों में चीख पुकार मच गई और सवारियां दुर्घटना ग्रस्त ट्राली से किसी प्रकार निकलीं। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष वेदप्रकाश पांडेय सहित पुलिस टीम ने सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुरसरांय भेजा। उधर, सूचना मिलते ही उपजिलाधिकारी गरौठा व पुलिस क्षेत्राधिकारी गरौठा भी मौके पर पहुंचे और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुरसरांय में भर्ती करवाया।

अस्पताल में चिकित्सा प्रभारी ओ पी राठौर ने घायल 30 वर्षीय रजनी पत्नी मुकेश निवासी ग्राम बराना को मृत घोषित कर दिया जबकि मेडिकल कॉलेज में पहुंचते-पहुंचते दो महिलाओं सल्लो व कलराबाई की मौत हो गई। 12 लोगों का प्राथमिक उपचार कर हालत गंभीर होने पर झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। वहां उनका उपचार किया जा रहा है।

वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन, रेल रोका

डायमंड हार्बर। जमीयत उलेमा-ए-हिंद की तरफ से वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ रविवार को प्रदर्शन गया। इस क्रम में प्रदर्शनकारियों ने डायमंड हार्बर शाखा के मगराहाट स्टेशन पर रेल रोका।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि यह अधिनियम अनुचित है। विरोध प्रदर्शन की वजह से स्टेशन के आस-पास की सडकों पर भारी जाम लग गया। बाद में प्रदर्शनकारियों ने रेलवे पटरियों पर भी विरोध प्रदर्शन किया। इसके कारण अप और डाउन रेल सेवाएं एक घंटे तक बाधित रहीं। इससे रेल यात्रियों को

परेशानियों का सामना करना पड़ा।

सूत्रों के अनुसार, राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने पहले ही वक्फ संशोधन अधिनियम पर विरोध जताया था। विधेयक को लोकसभा और राज्यसभा में पेश किए जाने के बाद रविवार को राष्ट्रपति ने इस पर हस्ताक्षर कर दिए। परिणामस्वरूप, अब यह कानून बन गया है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद की दक्षिण 24 परगना शाखा के सैकड़ों कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने इस कानून को विध्वंशकारी बताते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

संगठन की ओर से सरफराज अहमद ने कहा कि संगठन की दक्षिण 24 परगना शाखा के निर्देश पर हम मगराहाट प्रखंड से इस कानून की कड़ी निंदा कर रहे हैं। इसीलिए हम विरोध करने निकले हैं। मगराहाट में सभी बसें और ऑटो रोक दिए गए हैं। ट्रेनें भी रोक दी गई हैं।

दिल्ली मेट्रो को मिलेगी देश की पहली 3 कोच वाली ट्रेन

लाजपत नगर-साकेत जी ब्लॉक कॉरिडोर कम दूरी की यात्रा के लिए बनेगा नया मॉडल

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो देश का पहला ऐसा मेट्रो कॉरिडोर शुरू करने जा रही है, जिसे विशेष रूप से 3 कोच वाली ट्रेनों के लिए डिजाइन किया गया है। यह पहल कम दूरी की यात्रा के लिए एक नया और प्रभावी मॉडल साबित हो सकती है। मेट्रो के फेज-IV के तहत बन रहा लाजपत नगर-साकेत जी ब्लॉक कॉरिडोर सिर्फ 8 किलोमीटर लंबा होगा, लेकिन यह मौजूदा मेट्रो नेटवर्क से निर्बाध इंटरचेंज प्रदान करेगा और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी को और मजबूत बनाएगा।

कम दूरी के लिए विकसित हुआ नया ट्रेन मॉडल

इस नए कॉरिडोर पर चलने वाली 3 कोच की ट्रेनें दिल्ली मेट्रो के पारंपरिक 4, 6 या 8 कोच फॉर्मेट से हटकर एक कम लागत, उच्च दक्षता वाला समाधान प्रदान करेंगी। ये ट्रेनें खासतौर पर उन यात्रियों के लिए हैं जो कम दूरी की नियमित यात्रा करते हैं।

ऊर्जा की बचत और पर्यावरणीय लाभ

छोटी ट्रेनें प्रति ट्रिप कम ऊर्जा की खपत करेंगी, जिससे यह कॉरिडोर पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी और वित्तीय रूप से कुशल साबित होगा। छोटी ट्रेनें तेज़ी से टर्नअराउंड करती हैं, जिससे पीक ऑवर्स में भी यात्रियों को बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी। भविष्य में यात्रियों की संख्या बढ़ने पर केवल फ्रीक्वेंसी में बदलाव कर भीड़ को नियंत्रित किया जा सकेगा।

यात्रियों के लिए नया अनुभव

प्रति कोच क्षमता : लगभग 300 यात्री
कुल ट्रेन क्षमता (3 कोच) : 900 यात्री प्रति ट्रिप
अनुमानित दैनिक राइडरशिप (2025) : 60,000–80,000 यात्री
अनुमानित दैनिक राइडरशिप (2041) : 1,20,000 से अधिक यात्री
महत्वपूर्ण स्टेशनों की सूची
नए कॉरिडोर में 8 प्रमुख स्टेशन होंगे, जो दक्षिण और मध्य दिल्ली के कई रिहायशी और वाणिज्यिक इलाकों को जोड़ेंगे :
लाजपत नगर – पिंक और वायलेट लाइनों से इंटरचेंज
एंड्रयूज गंज – रिहायशी और संस्थागत क्षेत्र
जीके-1 – ग्रेटर कैलाश क्षेत्र
चिराग दिल्ली – मैजेंटा लाइन से इंटरचेंज
पुष्पा भवन – सरकारी कार्यालयों और आवासीय कॉलोनी
साकेत कोर्ट – कोर्ट, मॉल और ऑफिस क्षेत्र

रामनवमी पर काशी में मुस्लिम महिलाओं ने की श्रीराम की आरती

उर्दू में गाई आरती, एकता-सौहार्द्र का दिया संदेश

वाराणसी। धर्मनगरी काशी से रामनवमी के अवसर पर एक अद्भुत मिसाल देखने को मिली, जहां मुस्लिम महिलाओं ने प्रभु श्रीराम की आरती कर प्रेम और सांप्रदायिक सौहार्द्र का संदेश दिया। लमही स्थित सुभाष भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं ने उर्दू में लिखी राम आरती गाई और थाल सजाकर भक्ति भाव से आरती उतारी। जय सियाराम के नारों और भजनों के बीच आयोजन का माहौल पूरी तरह भक्तिमय रहा।

उर्दू में गाई राम आरती, रंगोली से सजाया मंच

मुस्लिम महिला फाउंडेशन और विशाल भारत संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में हुए इस आयोजन में महिलाओं ने उर्दू में "जय श्रीराम" लिखे थाल और रंगोली से मंच को सजाया। नकाबपोश महिलाओं ने श्रद्धा भाव से आरती कर सांप्रदायिक एकता का प्रतीकात्मक संदेश दिया।

दो साल पूर्व हुए अंधे कत्ल का खुलासा,एक महिला सहित पांच गिरफ्तार

राजगढ़। सारंगपुर थाना पुलिस टीम ने सीसीटीव्ही. फुटेज के आधार पर दो साल पहले ग्राम कचारिया पुरोहित के पूर्व सरपंच की हत्या व उसकी पत्नी पर जानलेवा हमला कर सोने-चांदी के गहने, नकदी और बंदूक लूटने वाले गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बंदूक कंजरपुरा स्थित कुएं से बरामद की है।

सारंगपुर एसडीओपी अरविंदसिंह ने रविवार को खुलासा करते हुए बताया कि 13 जुलाई 2023 को ग्राम काचरिया पुरोहित निवासी राजेन्द्र(42) पुत्र बनेसिंह राजपूत ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 12 जुलाई 2023 की रात अज्ञात बदमाशों ने उसके पिता बनेसिंह राजपूत की हत्या कर दी साथ ही मां पर जानलेवा हमला करते हुए सोने-चांदी के गहने, नकदी और बंदूक लूट कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 394, 397, 307, 302, 460 के तहत प्रकरण दर्ज किया।

131 दिन बाद भूख हड़ताल खत्म करेंगे किसान नेता दल्लेवाल

'संघर्ष जारी रहेगा, बनाना होगा बड़ा मोर्चा'-किसान महापंचायत में ऐलान

फतेहगढ़ साहिब। पंजाब के वरिष्ठ किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल ने 131 दिनों से जारी अपनी भूख हड़ताल रविवार को समाप्त कर दी। उन्होंने यह फैसला केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू की अपील के बाद लिया। भूख हड़ताल 26 नवंबर 2023 को किसानों की विभिन्न मांगों, खासकर न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की कानूनी गारंटी को लेकर शुरू की गई थी।

'रब्ब दा रूप है संगत, उनकी भावनाओं का सम्मान करता हूं'

सरहिंद में आयोजित 'किसान महापंचायत' में दल्लेवाल ने अनशन समाप्त करने की घोषणा करते हुए कहा, 'आप सभी ने मुझसे अनशन खत्म करने की अपील की, जिसे मैं नजरअंदाज नहीं कर सकता। संगत मेरे लिए रब्ब दा रूप है। मैं आपकी भावनाओं का सम्मान करता हूं और इसलिए भूख हड़ताल समाप्त कर रहा हूं।'

'मोर्चा मजबूत करना होगा, MSP की लड़ाई जारी रहेगी'

किसान नेता ने आगे स्पष्ट किया कि भूख हड़ताल खत्म करने का मतलब संघर्ष समाप्त होना नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैं आज भी हड़ताल खत्म नहीं करना चाहता था, लेकिन आप सबकी भावनाओं का सम्मान करते हुए ये कदम उठा रहा हूं। अब हमें एक मजबूत मोर्चा बनाना होगा ताकि MSP की कानूनी गारंटी जैसी अहम मांगों के लिए लड़ाई जारी रखी जा सके।'

26 नवंबर से भूख हड़ताल पर थे दल्लेवाल

संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के नेता दल्लेवाल ने 26 नवंबर 2023 को केंद्र सरकार पर दबाव बनाने के लिए भूख हड़ताल शुरू की थी। जनवरी 2024 में उन्हें खनौरी विरोध स्थल से इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया था, लेकिन उन्होंने हड़ताल जारी रखी।

केंद्र सरकार की अपील के बाद लिया फैसला

शनिवार को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और रवनीत सिंह बिट्टू ने सोशल मीडिया के जरिए दल्लेवाल से भूख हड़ताल खत्म करने की अपील की थी। शिवराज सिंह ने X पर लिखा था, 'किसानों की मांगों पर चर्चा जारी है, हम 4 मई को फिर वार्ता करेंगे। हम चाहते हैं कि दल्लेवाल अपनी भूख हड़ताल समाप्त करें।' वहीं मंत्री बिट्टू ने कहा, 'आपका जीवन और नेतृत्व पंजाब के किसानों के लिए बेहद जरूरी है। चर्चा के लिए आगे आइए और अपनी तबीयत का ध्यान रखिए।' दल्लेवाल की भूख हड़ताल भले समाप्त हो गई हो, लेकिन उनके संदेश साफ हैं—आंदोलन जारी रहेगा और MSP की गारंटी तक लड़ाई नहीं थमेगी।

रामनवमी पर राममय हुआ बंगाल, चुनावी सियासत भी चरम पर

भाजपा ने दिखाई ताकत, TMC ने लगाया ध्रुवीकरण का आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में रामनवमी के पर्व ने धार्मिक उत्साह के साथ सियासी रंग भी ओढ़ लिया। राज्यभर में निकलीं भव्य शोभायात्राओं और रैलियों के बीच भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की सक्रियता देखने को मिली। टीएमसी ने आरोप लगाया कि भाजपा रामनवमी को चुनावी हथियार बनाकर हिंदू वोटों को साधने की कोशिश कर रही है।

शुभेंदु अधिकारी ने सोनाचूरा में रखा राम मंदिर का शिलान्यास

2026 विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा ने आक्रामक रुख अपनाया है। नंदीग्राम से विधायक और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने पूर्वी मेदिनीपुर के सोनाचूरा गांव में राम मंदिर की आधारशिला रखी। यह वही स्थान है, जहां 2007 के भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन में कई लोगों की जान गई थी। 'जय श्रीराम' के नारों के बीच भगवा वस्त्रों में सजे अधिकारी ने रैली का नेतृत्व करते हुए कहा कि रामनवमी एक आस्था का उत्सव है, न कि राजनीतिक मंच। उन्होंने कहा, 'हम शांतिप्रिय लोग हैं, उत्सव को राजनीति से जोड़ना जरूरी नहीं।

राज्यभर में 2,500 रैलियां, सुरक्षा में तैनात 6,000 से ज्यादा पुलिसकर्मी

पूरे बंगाल में करीब 2,500 रैलियों की योजना बनाई गई थी। इन आयोजनों में रामायण से जुड़े दृश्य, भक्ति गीत और झांकियां शामिल थीं। सुरक्षा के मद्देनजर राज्यभर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। हावड़ा में सांसद सुकांत मजूमदार ने अंजनी पुत्र सेना की रैली में हिस्सा लिया, जबकि सौमित्र खान ने बांकुड़ा में पारंपरिक 'लाठी खेला' का प्रदर्शन किया। वहीं सालकिया में टीएमसी पार्षद गौतम चौधरी भी वीएचपी की रैली में शामिल हुए।कोलकाता के पास न्यू टाउन में भाजपा नेता लॉकेट चटर्जी की रैली को पुलिस ने रोक दिया, जिससे तनाव की स्थिति बन गई।